विशाल इण्डिया

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

सच्चाई की राह पर!

वर्ष : 13 | अंक : 59 | गौतमबुद्धनगर, रविवार 28 जनवरी 2024 | पृष्ठ : 08 मूल्य : 02 रूपये | आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236

P- 3

30 को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर किसानों की

P- 4

डेढ़ साल के मासूम को पटक कर मार डाला, बेटे की हत्या कर हंसता रहा

P- 5

फिर पिटने के मूड़ में नजर आ रहा है पाकिस्तान, लगातार भारत

P- 6

जानिक सिनर से मिली हार पर जोकोविच ने स्वीकारा उनका प्रदर्शन

हैप्पी मॉर्निंग

रात के 10 बजे मीना देहाती डॉक्टर को फोनकर बोली...
मीना- मैं बहुत खूबसूरत हूं, गोरी हूं, देखने में बिल्कुल प्रियंका जैसी हूं। हालांकि, रात में सांवली दिखती हूं। इसके लिए चेहरे पर क्या लगाकर सोना है।
देहाती डॉक्टर- सन ग्लासेस उतारकर सोया करो

शायरी

कर जस्बे को बुलंद जवान, तेरे पीछे खड़ी आवाम !
हर पत्ते को मार गिरायेंगे जो हमसे देश बटवायेंगे..!!

अर्थसार

संसेक्स:
71,060.31
+689.77 (0.98%)
निफ्टी:
21,453.95
+215.15

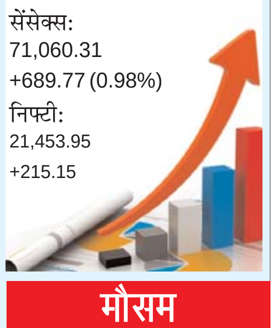

मौसम

अधिकतम : 16 डिग्री से0
न्यूनतम : 09 डिग्री से0
सूयोदय सोमवार : 7 : 13
सूर्यास्त रविवार : 5 : 54

केजरीवाल बोले- 7 विधायकों को 25 करोड़ ऑफर किए गए

भाजपा की दिल्ली सरकार गिराने की साजिश; चाहते हैं मुझे अरेस्ट करें, फिर एमएलए तोड़ें

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर दिल्ली की आप सरकार को गिराने की कोशिश करने का आरोप लगाया। केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि भाजपा के एक नेता ने पिछले दिनों दिल्ली के 7 विधायकों को संपर्क कर कहा है कि कुछ दिन बाद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लेंगे। उसके बाद स्रविधायकों को तोड़ेंगे।

केजरीवाल के मुताबिक, भाजपा ने 7 आप विधायकों को कहा है कि 21 विधायकों से बात हो गई है। बाकी विधायकों से भी बात कर रहे हैं। उसके बाद दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार गिरा देंगे। आप भी आ जाओ। 25 करोड़ रुपए देंगे और भाजपा की टिकट से चुनाव लड़वा देंगे।

केजरीवाल ने ये भी कहा कि भाजपा का दावा है कि उन्होंने हमारे 21 विधायकों से बात की है, लेकिन हमारी जानकारी के मुताबिक उन्होंने सिर्फ 7 विधायकों से बात की है और सभी 7 विधायकों ने भाजपा का ऑफर ठुकरा दिया। केजरीवाल ने दावा किया है कि भाजपा नेता की इस बातचीत को रिकॉर्ड कर लिया गया है।

केजरीवाल ने कहा कि भाजपा किसी शराब घोटाले की जांच के लिए मुझे गिरफ्तार नहीं करना चाहती, बल्कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार गिराने के लिए षड्यंत्र कर रही है। पिछले 9 साल में हमारी सरकार गिराने के लिए इन्होंने कई षड्यंत्र किए, लेकिन इन्हें कोई सफलता नहीं मिली। भगवान और जनता ने हमेशा हमारा साथ दिया। हमारे सभी एमएलए भी मजबूती से साथ हैं। इस बार भी ये लोग अपने नापाक इरादों में फेल होंगे।

केजरीवाल ने कहा कि ये लोग जानते हैं कि दिल्ली की जनता के लिए हमारी सरकार ने कितने काम किए हैं। इनकी पैदा की गईं तमाम अड़चन के बावजूद हमने इतने काम किए हैं। दिल्ली की जनता आप से बेइंतहा प्यार करती है। चुनावों में क्को हराना इनके बस की बात नहीं तो एक फर्जी शराब घोटाले के बहाने गिरफ्तार करके सरकार गिराना चाहते हैं।

आगरा में दबंगों ने 10 मकानों में तोड़फोड़ की

आगरा। आगरा के थाना एत्माद्दौला अंतर्गत ट्रांस यमुना फेस-2 क्षेत्र में दबंगों ने जमकर बवाल मचाया। दबंगों ने पथराव कर करीब 10 मकानों में तोड़फोड़ की। अचानक हुए पथराव घरों के बाहर बैठी महिलाएं सहम गई। बचने के लिए दरवाजे बंद कर लिए। इसके बाद दबंग जान से मारने धमकी देते हुए फरार हो गए। पूरी घटना सीसीटीवी मे कैद हो गई है। पुलिस अभी तहरीर मिलने की बात कह रही है। ट्रांस यमुना फेस -2 में रहने वाले कक्षा 9 के 4 छात्र बाइक से कोचिंग जा रहे थे। आरोप है कि तभी रास्ते में उनको दो युवकों ने रोक लिया। बाइक को वहां से निकलने पर एतराज करने लगे। जिसको लेकर छात्रों की कहा सुनी हो गई। इसके बाद दबंगों ने छात्रों को देख लेने की धमकी दी। घटना के बाद छात्र अपने घर आ गए। इसी बीच दबंग युवक वहां पहुंच गए। उन्होंने छात्रों के साथ मारपीट कर दी। घटना के बाद छात्र अपने परिजनों के साथ नुनिहाई चौकी पर शिकायत करने के लिए गए थे ।

दिल्ली/एनसीआर में ठंड का सितम बरकरार

न्यूनतम तापमान 4.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया

नयी दिल्ली। दिल्ली/एनसीआर में शनिवार को ठंड के मिजाज में कोई खास बदलाव नहीं आया और न्यूनतम तापमान 4.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो इस मौसम के औसत से चार डिग्री कम रहा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार राजधानी में वायु गुणवत्ता बेहद खराब बनी हुई है। सुबह नौ बजे समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 402 दर्ज किया गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक दिन में आसमान साफ रह सकता है और अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग ने आज कि अगले दो दिनों तक उत्तर प्रदेश और बिहार में अति घना कोहरा और शीत लहर की जैसी स्थिति बनी रहेगी। मौसम विभाग ने कहा कि अगले दो दिन के बाद मौसम के मिजाज में धीरे-धीरे सुधार आने का अनुमान जताया है। विभाग के मुताबिक दो दिनों तक पूर्वी उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और बिहार के कुछ हिस्सों में घना से अति घना कोहरा छाए रह सकता है और इसके अलावा अलग-अलग हिस्सों में घना कोहरा छाए रहने का अनुमान है।

दिल्ली में दोस्त का चाकू से गला रेता, शरीर गोदा, गोली भी मारी

शराब पीने के दौरान किसी बात को झगड़ा हुआ था, चार आरोपी फरार

नई दिल्ली। दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में 26 जनवरी की शाम चार युवकों ने दोस्त को गोली मार दी। फिर चाकू से हमला किया और गला रेतने की भी कोशिश की।

फिलहाल चारों आरोपी फरार हैं। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित और सभी आरोपी दोस्त हैं। वे सभी साथ में बैठकर शराब पी रहे थे। किसी बात को लेकर उनके बीच विवाद हुआ और चारों ने मिलकर पीड़ित पर हमला कर दिया। यह पूरी घटना एक दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जिसके आधार पर आरोपियों की पहचान की गई। चार आरोपियों के नाम - बिलाल, सऊद, फिरोज और सलीम हैं। वहीं पीड़ित का नाम समीर अहमद है।

सीसीटीवी में देखा जा सकता है कि चार आरोपी समीर के पीछे गली में भाग रहे हैं। आरोपियों में से एक स्कूटी से समीर का पीछा करता है। कुछ दूर जाकर आरोपी समीर को पकड़ लेते हैं। वे पहले समीर को गोली मारते हैं। जिससे वह नीचे गिर जाता है।

फिर दो आरोपी चाकू से समीर पर हमला करते हैं। एक व्यक्ति पेट पर कई वार करता है जिससे समीर जमीन पर गिर जाता है। तभी दूसरा आरोपी गर्दन पर वार करता है। इसके बाद सभी मौके से भाग जाते हैं।

पीड़ित के पिता ने केस दर्ज कराया

पीड़ित के पिता की तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 307, 34 और ऑर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। समीर को लोहिया अस्पताल में एडमिट कराया गया है। जहां उसका इलाज चल रहा।

मणिपुर : कांगपोकपी में दो गुटों के बीच गोलीबारी; एक की मौत

इंफाल। मणिपुर में हिंसा की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में हुई गोलीबारी में एक ग्रामीण की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गए हैं।

समाचार एजेंसी पीटीआई ने पुलिस के हवाले से बताया कि मणिपुर के कांगपोकपी जिले में शनिवार सुबह दो सशस्त्र समूहों के बीच गोलीबारी हुई। इसमें एक स्वयंसेवक की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि यह घटना तब हुई, जब हथियारबंद लोग सतांग कुकी के पहाड़ी गांव में घुस आए। इस दौरान उन्होंने फायरिंग कर दी। उन्होंने बताया कि सतांग गांव में अतिरिक्त सुरक्षा बलों के पहुंचने के बाद हमलावर वहां से भाग गए। आपको बता दें कि घायल को इंफाल के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि घायलों में से एक के चेहरे पर और दूसरे की जांघ पर छर्रे लगे हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

छत्तीसगढ़-ओडिशा हाईवे पर सड़क हादसा, 3 की मौत

जगदलपुर। छत्तीसगढ़-ओडिशा नेशनल हाईवे- 30 पर बोरीगुमा में शुक्रवार दोपहर हुए सड़क हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 2 महिलाएं शामिल हैं।

वहीं 7 घायलों में 4 की हालत गंभीर है। एसपी कोरापुट ने इसकी जानकारी दी है। हादसा तेज रफ्तार स्कार्पियो के ऑटो और 2 बाइक सवारों को टक्कर मारने के चलते हुआ है। जगदलपुर नंबर की स्कार्पियो ओडिशा की ओर जा रही थी। इसी दौरान बोरिगुमा से करीब 4 किमी पहले बीजापुर गांव के पास स्कार्पियो ने सामने से आ रहे बाइक सवार को टक्कर मारी। इसके बाद ऑटो और एक अन्य बाइक सवार को चपेट में ले लिया। हादसा इतना जबरदस्त था दोनों बाइक के परखचे उड़ गए।

जबकि ऑटो भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और आगे जाकर पलट गया। वहीं स्कार्पियो भी सड़क किनारे गड्डे में घुस गई। टक्कर मारने के बाद चालक स्कार्पियो छोड़कर भाग निकला।

हादसा होते देख आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया।

टक्कर में एक बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 महिलाओं ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। कुछ घायलों को कोरापुट जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

आतंकी मॉड्यूल | **पीओके से संचालित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़**

जम्मू-कश्मीर : आतंकवादियों के पांच सहयोगी गिरफ्तार

एजेंसी

कुपवाड़ा। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कुपवाड़ा जिले में आतंकवादियों से जुड़े पांच लोगों को गिरफ्तार करके पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से संचालित एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया, कुपवाड़ा पुलिस ने जिले के करनाह इलाके में आतंकवादियों से जुडे पांच लोगों गिरफ्तार करके एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है और हथियारों तथा गोला-बारूद का जखीरा बरामद किया है।

पुलिस ने एक विश्वसनीय सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया, जो लश्कर-ए-तैयबा के पीओके स्थित दो आकाओं द्वारा इस ओर भेजे गए हथियारों और गोला-बारूद की तस्करी में शामिल था।

इन आकाओं की पहचान मंजूर अहमद शेख उर्फ शकूर और काजी मोहम्मद खुशाल के रूप में की गई है। दोनों कुपवाड़ा जिले करनाह के निवासी हैं, जबकि उनके स्थानीय संचालक की पहचान करनाह के ही जहूर अहमद भट के रूप में की गई है। गिरफ्तार व्यक्ति के पास से एक एके श्रेणी की राइफल, दो पिस्तौल और कुछ गोला-बारूद बरामद किया गया है।

अधिकारी ने कहा, इस ओर भेजी गई खेप आतंकवादियों से जुड़े उन सहयोगियों को पहुंचा दी गई, जो जहूर अहमद भट और पीओके स्थित आकाओं के भी संपर्क में थे। आगे के सुरागों के आधार पर चार और लोगों को गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने कहा कि गिरफ्तार लोगों की पहचान खुर्शीद अहमद राथेर, मुदस्सिर शफीक, गुलाम सरवर राथेर और काजी फजल इलाही के रूप में की गई है, जो करनाह के ही निवासी हैं।

अधिकारी ने कहा कि उनके कब्जे से एके श्रेणी की पांच राइफल, पांच मैगजीन और 16 कारतूस बरामद किए गए।

उन्होंने कहा कि हथियारों की तस्करी की साजिश का पता लगाने के लिए मामले की तेजी से जांच की जा रही है।

पंजाब : सड़क हादसे में 5 युवकों की जिंदा जलने से मौत

स्पीड 130किमी/घंटे, फिर कार में धमाका, 5 दोस्त जिंदा जले

दसूहा/जालंधर। पंजाब के होशियारपुर में शुक्रवार देर रात सड़क हादसे में 5 युवकों की जिंदा जलने से मौत हो गई। ये सभी लोग कार में सवार थे। इनकी गाड़ी को जालंधर-पठानकोट हाईवे पर दसूहा के पास ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी।

हादसे से ठीक 20 मिनट पहले एक युवक ने वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर शेयर किया था। जिसमें दिख रहा कि वह जालंधर-पठानकोट हाईवे पर जा रहे हैं और उनकी कार करीब 130 किमी की स्पीड में चल रही है। वीडियो में तेज आवाज में सिंगर करण औजला का पंजाबी सॉन्ग टेक इट इजी चल रहा है। पांचों पंजाबी गाने पर थिरकते नजर आ रहे हैं।

इसके बाद हादसा हुआ। एक्सीडेंट के बाद कार में एक धमाका हुआ और फिर उसमें आग लग गई। हादसे के बाद ट्रक भी असंतुलित होकर रोड साइड पर झाड़ियों में पलट गया। ड्राइवर को गंभीर चोटें आई हैं। उसे लोगों ने ट्रक से बाहर निकाला। हादसा इतना जबरदस्त था कि मृतकों के शरीर के कई अंग बिखरे मिले। ये सभी जालंधर के रहने वाले थे। इनकी पहचान मिशन कॉम्प्लेक्स निवासी ऋषभ मिन्हास, आजाद नगर भार्गव कैंप निवासी इंद्रजीत कौंडल, अवतार नगर निवासी राजू, अभि निवासी भार्गव कैंप और अंकित कुमार (सॉफ्टवेयर इंजीनियर) निवासी घास मंडी के रूप में हुई है। ये सभी कार में पठानकोट से अपने घर लौट रहे थे। पांचों क्रूस से जुड़े हुए थे। पुलिस ने इनके शवों और क्षतिग्रस्त वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने करनाल के रहने वाले ट्रक ड्राइवर सुशील कुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

एसएचओ बोले- मामले की जांच के बाद केस दर्ज करेंगे

थाना दसूहा के एसएचओ हरप्रेम सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही क्राइम सीन पर पहुंच गए थे। हादसे में क्षतिग्रस्त हुई कार जालंधर नंबर की थी। कार की डिटेल के आधार पर मृतकों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। जांच के बाद आज मामले में केस दर्ज किया जाएगा। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल दसूहा में भेज दिया गया है।

एसडीएम को महिला कर्मी से जूते का फीता बंधवाना पड़ा महंगा

मध्य प्रदेश में सिंगरौली जिले की चित्रांगी तहसील के उपजिलाधिकारी यानी एसडीएम ने यह बुनियादी पहलू ध्यान रखना जरूरी नहीं समझा और सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान अपने कार्यालय की एक महिला कर्मी से जूते का फीता बंधवाने में उन्हें कोई संकोच नहीं हुआ।

देश के शासन-तंत्र के ढांचे में काम करने वाले सभी अधिकारी और कर्मचारी के लिए उनके दायित्वों के साथ एक महत्त्वपूर्ण संदेश यह भी जुड़ा होता है कि उनके आचरण से समाज में सकारात्मक संदेश जाए। मगर आए दिन ऐसी खबरें मिलती रहती हैं कि किसी अफसर ने अपने मातहत कर्मचारियों को अनधिकृत रूप से अपने निजी काम करने में भी लगा दिया या कुछ ऐसा कराया, जो नियमों के खिलाफ, सामाजिक और नैतिक रूप से गलत था और उससे नौकरशाही को लेकर नकारात्मक संदेश गया।

मध्य प्रदेश में सिंगरौली जिले की चित्रांगी तहसील के उपजिलाधिकारी यानी एसडीएम ने यह बुनियादी पहलू ध्यान रखना जरूरी नहीं समझा और सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान अपने कार्यालय की एक महिला कर्मी से जूते का फीता बंधवाने में उन्हें कोई संकोच नहीं हुआ। इस घटना की तस्वीर के सोशल मीडिया पर सुर्खियों में आने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया और लोगों ने अधिकारी के इस आचरण पर तीखी आपत्ति दर्ज की। स्वाभाविक ही इससे राज्य सरकार के लिए एक असहज स्थिति पैदा हो गई, जो अक्सर महिला सम्मान के सर्वोपरि होने की बात करती रहती है। नतीजतन, सरकार ने ऐसे आचरण के कठघरे में आए एसडीएम के तबादले का आदेश जारी कर दिया।

किसी भी व्यक्ति और खासतौर पर उच्च पद पर काबिज अधिकारी के पास यह सहज ज्ञान होना चाहिए कि सार्वजनिक रूप से ऐसे आचरण का क्या मतलब होता है। मगर संबंधित एसडीएम को इस पर गौर करना जरूरी नहीं लगा कि ऐसी कोई बात कैसे उनके पद की मर्यादा और सामान्य नैतिकता के भी खिलाफ जाती है।

खासतौर पर जिस दौर में महिलाओं के सम्मान और अधिकार के लिए सभी स्तरों पर जोर दिया जा रहा है, वैसे में यह घटना दावों और हकीकत के विरोधाभास को ही दर्शाती है। इसलिए उनके तबादले से संबंधित फैसले का आशय समझा जा सकता है। हालांकि आरोपों के कठघरे में आए एसडीएम ने सफाई के तौर पर कहा कि उनके पैर में चोट लगी थी और इस वजह से महिला कर्मी ने खुद ही जूते के फीते बांध दिए थे।

मगर सवाल है कि वहां मौजूद और बाद में सुर्खियों में आई तस्वीर को देखने वाले लोगों को यह कैसे पता हो सकता है कि ऐसा उनके स्वास्थ्य की वजह से हुआ। फिर क्या अपने पद से जुड़े व्यवहार की सीमा और उससे जुड़े नैतिक तकाजे का खयाल रखना खुद अधिकारी के लिए जरूरी नहीं था? यह ध्यान रखने की जरूरत है कि किसी विषम परिस्थिति में सहायता या सहयोग और पद के प्रभाव में किसी कनिष्ठ कर्मचारी से निजी काम कराने की प्रकृति बिल्कुल अलग होती है।

स्वास्थ्य संबंधी दिक्कत होने की स्थिति में किसी अधिकारी या कर्मचारी के पास अवकाश लेने का विकल्प होता है। फिर यह भी देखा जाता है कि किसी कनिष्ठ या निम्नवर्गीय कर्मचारी के द्वारा 'जूते के फीते बांधने' जैसी प्रकृति के काम के पीछे एक खास मनोभाव काम कर रहा होता है, जिसमें उच्च पद का प्रभाव या उसकी आभामंडल से जुड़ा मनोविज्ञान हावी रहता है।

ऐसी स्थिति में संबंधित अधिकारी की ही यह जिम्मेदारी होती है कि वह पद और आचरण के लिए नीतिगत तौर पर निर्धारित नियम और सामान्य नैतिक तकाजों का ध्यान रखे। विडंबना यह है कि देश में उच्च पदों पर बैठे अधिकारियों के सामंती व्यवहार से जुड़ी घटनाएं अक्सर सुर्खियों में आती रहती हैं, जो इस समूचे मसले पर एक नीतिगत कसौटी तय करने की जरूरत को रेखांकित करती हैं।

नीतिश की चालों से इंडिया गठबंधन को झटका

ललित गर्ग

अब लगभग यह तय हो गया है कि भारतीय जनता पार्टी एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को विपक्षी दलों एवं उनके नेताओं के द्वारा हल्के में लेने की स्थितियां उनके लिये कितनी भारी हो सकती है। दूसरा भारत की राजनीति में भाजपा अगर कुछ करने की ठान लेती है तो वह उसे पूरा करती ही है। बिहार में सत्ता का समीकरण बदलना इसी बात का द्योतक है। बिहार में जारी सियासी उथलपुलथ के बीच आरजेडी के राज्यसभा सांसद अहमद अशफाक ने बड़ा ऐलान करते हुए आखिर कह ही दिया है कि अब जेडीयू और आरजेडी का रिश्ता टूट गया है। इस बात के प्रबल संकेत मिल रहे हैं कि मुख्यमंत्री और जेडीयू नेता नीतीश कुमार ने आरजेडी से अलग होने का फैसला कर लिया है। अगर ऐसा हुआ तो बिहार में न केवल महागठबंधन की सरकार गिर जाएगी बल्कि इंडिया महागठबंधन में भी दरारे पड़ जायेगी। यह भी संभावनाएं व्यक्त की जा रही है कि इसके बाद नीतीश एक बार फिर भाजपा के साथ मिलकर बिहार में सरकार बना सकते हैं। आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा की रणनीति का यह एक बड़ा दांव सफल होता हुआ दिख रहा है। वैसे भाजपा एवं जेडीयू नेता नीतीश कुमार के बीच भीतर-ही-भीतर यह कीचड़ी विगत कुछ समय से पक रही थी। इसका पहला ठोस संकेत जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिये जाने की घोषणा पर उनके द्वारा पहले भाजपा सरकार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिये धन्यवाद से सामने आया। दूसरा बड़ा संकेत कर्पूरी ठाकुर की सौवीं जयंती के मौके पर आयोजित समारोह में नीतीश कुमार ने तंज कस कर कि आजकल बहुत से लोग अपने परिवार के सदस्यों को ही आगे बढ़ाने में लगे रहते हैं, इस रूप में सामने आया। इसे सीधे तौर पर लालू प्रसाद यादव पर हमला माना गया, जिनकी पार्टी के साथ वह बिहार में सरकार चला रहे हैं।

इस पूरे घटनाक्रम के बाद से राजद और जदयू के बीच गहरी खाई बन गई है। लालू-तेजस्वी से नीतीश की बातचीत बंद चल रही है। वहीं महगठबंधन के सहयोगी दल भी सकते में आ गये हैं। क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के खिलाफ बिखरे हुए विपक्ष को एकजुट करने की कवायद करने वाले नीतीश कुमार ही रहे हैं। नीतीश कुमार ने ही पिछले साल जून में पटना में विपक्षी दलों की महाजुटान की थी। उनकी पहल पर ही विपक्ष के तमाम दल मतभेदों के बावजूद एक प्लेटफॉर्म पर आने को तैयार हुए ताकि लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ ज्यादा से ज्यादा सीटों पर विपक्ष की तरफ से साझा उम्मीदवार उतारा जा सके। लेकिन जब चुनाव एकदम सिर पर आ गया तो नीतीश कुमार ही पाला बदलने जा रहे। तिनका-तिनका जोड़कर विपक्षी एकजुटता का ताना-बाना तैयार करने वाले जेडीयू चीफ ऐन वक्त पर खुद ही गठबंधन से दूर होने जा रहे हैं। ये विपक्षी इंडिया गठबंधन के लिए बहुत बड़ा आघात है।

लोकसभा चुनाव में अब दो-ढाई महीने का समय ही शेष हैं। भाजपा हर हालात में नरेंद्र मोदी को ही तीसरी बार सत्ता के सिंहासन पर बैठाना चाहती है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर से पैदा हुई हिंदुत्व लहर पर सवार भाजपा जाति को साधने में भी पीछे नहीं है। कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने का ऐलान हो चुका है। दलितों को लुभाने के लिए बड़ा अभियान शुरू करने का प्लान भी तैयार हो चुका है। दूसरी तरफ विपक्ष खासकर उसके सबसे बड़ा गठबंधन इंडिया की नजर हर हाल में मोदी के विजय रथ को रोकने पर है। लेकिन लगभग टूट एवं बिखर चुके इंडिया किस तरह मोदी रथ को रोक पायेंगी? क्योंकि लोकसभा चुनाव से पहले ही इंडिया गठबंधन हांफने लगा है। नीतीश कुमार का पाला पाला बदलना वैसे ही है जैसे युद्ध शुरू होने से ऐन पहले सारथी ही पाला बदल ले। गठबंधन के नीतीश ही नहीं, ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल भी कांग्रेस को आंख दिखा रहे हैं, जिससे गठबंधन की गाड़ी आगे सरकती नजर नहीं आ रही है। गठबंधन के भविष्य पर सवालिया निशान ही नहीं, ग्रहण लग गया है। बिहार की उठापटक एवं बदलते राजनीतिक समीकरणों का सीधा लाभ भाजपा को मिलेगा। बिहार में 40 लोकसभा सीटें हैं। अगर नीतीश कुमार भाजपा से मिलकर एनडीए गठबंधन का हिस्सा बनते हैं तो इनमें से अधिकाधिक लोकसभा सीटों पर एनडीए प्रत्याशियों की जीत की संभावना अप्रत्याशित रूप से बढ़ जाएगी। बिहार में नीतिश की इसी भूमिका के कारण ही इंडिया गठबंधन में उनकी सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका मानी जा रही थी। विपक्षी दलों के बीच गठबंधन करके ज्यादा से ज्यादा सीटों पर एनडीए के खिलाफ साझा प्रत्याशी खड़ा करने का यह पूरा प्रयास नीतीश कुमार की ही पहल पर शुरू हुआ था। ऐसे में उनके जाने के बाद यह प्रक्रिया किस तरह से और कितनी आगे बढ़ेगी, इस पर संदेह के बादल मंडरा रहे हैं।

राजनीति में जब नीति गायब होने लगती है तो बेमेल गठबंधनों के बनते एवं बिखरते के दृश्य देखने को मिलते हैं और, इस बुराई के लिए कमोबेश सभी राजनीतिक दल समान रूप से जिम्मेदार हैं। देखा जाए तो सबकी नजर में 2024 का लोकसभा चुनाव है जहां 40 सीटों वाले बिहार की भूमिका को अहम मानते हुए अभी सारे दांव-पेंच वहीं चल रहे हैं। बिहार में नया सियासी समीकरण कितना बदलाव लाएगा, यह भविष्य ही बताएगा। ऐसे में लंबे समय से कयास लगाए जा रहे थे कि नीतीश कुमार कभी भी भाजपा का हाथ थाम सकते हैं। वैसे भी अब नीतिश की छवि अवसरवादी नेता की हो गयी है। दरअसल यह अवसरवादिता और मौकापरस्ती की हद है जिसका राजनीति में प्रतिकार होना चाहिए। वास्तव में बिहार का ही सबसे बड़ा दुर्भाग्य है कि इस राज्य में जातिवादी और परिवारवादी राजनीति ने इस प्रदेश की जनता के मौलिक अधिकारों से उनको वंचित किये हुए हैं और इस प्रांत के लोगों को भारत का सबसे गरीब आदमी बनाया हुआ है। जबकि बिहारियों का भारत के सर्वांगीण विकास में योगदान कम नहीं हैं, सबसे अधिक मेहनती एवं बुद्धिजीवी लोग यही से आते हैं। लेकिन दूषित राजनीति की कालिमाएं यहां के धवलित इतिहास को धुंधलाती रही है। यहां की राजनीति की सत्तालोलुपता एवं भ्रष्टता लोकतांत्रिक मूल्यों को ध्वस्त करती रही है। जबकि प्रामाणिकता एवं सिद्धान्तवादिता राजनीतिक क्षेत्र में सिर का तिलक है और अप्रामाणिकता एवं अवसरवादिता मृत्यु का पर्याय होती है। आवश्यकता है, राजनीति के क्षेत्र में जब हम जन मुखातिब हों तो प्रामाणिकता का बिल्ला हमारे सीने पर हो। उसे घर पर रखकर न आएं। राजनीति के क्षेत्र में हमारा कुर्ता कबीर की चादर हो। नीतीश बाबू ने जिस महागठबन्धन को बनाया, बनने के साथ ही उसकी उल्टी गिनती शुरु हो गयी थी। अब तो खुद सारथि ही अपना पाला बदल रहा है।

आजादी के अमृतकाल के पहले लोकसभा चुनाव की आहट अब साफ-साफ सुनाई दे रही है। भारत के सभी राजनीतिक दल अब पूरी तरह चुनावी मुद्रा में आ गये हैं और प्रत्येक प्रमुख राजनैतिक दल इसी के अनुरूप बिछ रही चुनावी बिसात में अपनी गोटियां सजाने में लगे हैं। टुकड़े-टुकड़े बिखरे कुछ दल फेवीकॉल लगाकर इंडिया गठबंधन की छतरी के नीचे आये जरूर, लेकिन सीटों के बंटवारे एवं अन्य मुद्दों पर अब बिखर चुके हैं। सत्ता तक पहुँचने के लिए कुछ दल परिवर्तन को आकर्षक व आवश्यकता बता रहे थे, तो कुछ प्रमुख दलों के नेता स्वयं को प्रधानमंत्री की कुर्सी पर देख रहे थे, लेकिन सबके सपनों पर ग्रहण लग गया। विपक्षी दल येन-केन-प्रकारेण भाजपा को सत्ता से बाहर करने में जुटे भले ही हो, लेकिन भाजपा ने चुनाव से पहले ही उनको उनकी जमीन दिखा दी है। भाजपा पूर्ण आत्मविश्वास एवं प्रखरता के साथ आगे बढ़ रही है, जिन राज्यों में उसके लिये चुनौतियां अधिक प्रखर है, उन्हीं राज्यों में वह समग्रता एवं एकाग्रता से अपनी रणनीतियों को अंजाम दे रही है, बिहार भी उन्हीं में एक था। भाजपा की सबसे बड़ी विशेषता है कि वह अपनी हर चुनौती के कारणों को बड़ी गहराई से लेते हुए उन कारणों को समझने एवं चुनौतियों को संभावनाओं में बदलने के गणित को बिठाने में माहिर है।

टाईम पास

पाकिस्तान अपनी गिरेबां में झांके

पाकिस्तान का भारत विरोधी प्रचार उसका नवीनतम प्रयास है, पाकिस्तान जो बोएगा, वही काटेगा और उसकी अपनी करतूतों के लिए दूसरों को जिम्मेदार ठहराना न तो न्यायोचित हो सकता है, न ही समाधान।

पाकिस्तान की समस्या यह है कि जब भी वह भारत के खिलाफ अपने किसी एजंडे को हकीकत में तब्दील करने में नाकाम होता है या फिर खुद को गंभीर आरोपों के कठघरे में पाता है, तब भारत की ओर अंगुली उठा कर खड़ा हो जाता है। हालांकि ऐसा करने से खुद उसके ही कमजोर होने का एक संदेश निकलता है, लेकिन ऐसा लगता है कि बार-बार शर्मिंदगी उठाने के बावजूद उसे भारत पर आरोप लगाने में कोई असहजता नहीं महसूस होती।

सवाल है कि क्या अब इस तरह की गतिविधियां पाकिस्तान की आदत में तब्दील हो गई हैं कि अपनी सीमा में मुश्किलों का हल निकालने के बजाय वह किसी भी मामले में भारत का नाम लेकर दुनिया और पाकिस्तानी अवाम को गुमराह करना प्राथमिक समझता है! दरअसल, गुरुवार को पाकिस्तान ने दावा किया कि उसके पास पिछले वर्ष सियालकोट और रावलकोट में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े दो पाकिस्तानी आतंकवादियों की हत्या और 'भारतीय एजंट' के बीच संबंध होने के 'ठोस सबूत' हैं। अब वैश्विक स्तर पर पाकिस्तान को जिस रूप में देखा-समझा जाता है, उसमें इस आरोप को लेकर शायद ही कोई देश गंभीर होता हो। मगर इससे पाकिस्तान की मंशा एक बार फिर सामने आई है। इस तरह के उथले और निराधार आरोपों की सच्चाई यह है कि जिन आतंकवादियों के मारे जाने के बारे में पाकिस्तान ने भारत पर अंगुली उठाई है, उनसे संबंधित आतंकी संगठनों को पालने के लिए कठघरे में वह खुद खड़ा है। जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के पाकिस्तान स्थित ठिकानों से अपनी आतंकी गतिविधियां संचालित करने के मसले पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग सम्मेलनों में भी सवाल उठ चुके हैं।

ऐसे में भारत का यह जवाब बिल्कुल उचित है कि पाकिस्तान की ओर से इस मामले में जो भी कहा गया है, वह भारत विरोधी झूठा और दुर्भावना से भरे प्रचार का उसका नवीनतम प्रयास है; पाकिस्तान जो बोएगा, वही काटेगा और उसकी अपनी करतूतों के लिए दूसरों को जिम्मेदार ठहराना न तो न्यायोचित हो सकता है, न ही समाधान। सच यह है कि पाकिस्तान अपने दावे में ही दोनों आतंकवादी संगठनों और उनके सदस्यों के अपने सीमा-क्षेत्र में मौजूद होने की पुष्टि कर रहा है। दरअसल, ताजा आरोप लगाते हुए पाकिस्तान ने यह सोचना भी जरूरी नहीं समझा कि उसके सीमा क्षेत्र में आतंकवादी संगठनों से जुड़े लोग 'पाकिस्तानी नागरिक' और आतंकी पहचान के बावजूद शासन की गिरफ्त में क्यों नहीं थे! आतंकवादियों की हरकतों के बारे में दुनिया जानती है कि वे नाहक ही मासूम और निर्दोष लोगों की हत्या करते हैं, आतंक फैलाते हैं, तो खुद पाकिस्तान स्थित किसी अन्य संगठन या एजंसी के साथ भी टकराव में वे मारे जा सकते हैं। लेकिन महज शौक की वजह से भारत पर आरोप लगाते हुए पाकिस्तान ने कभी भी अपने गिरेबां में झांकने की जरूरत नहीं समझी है। जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और अन्य संगठन पाकिस्तान स्थित अपने ठिकानों से भारत में जिन आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देते हैं, उसे संरक्षण देने का मुख्य आरोपी खुद पाक रहा है।

अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि 2017 में चीन में हुए ब्रिक्स सम्मेलन के घोषणापत्र में भी जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे पाकिस्तान आधारित संगठनों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने की मांग की गई थी। इसलिए आतंकवाद को खाद-पानी मुहैया कराने के आरोपों से खुद घिरा पाकिस्तान जो आरोप भारत पर लगाता है, उसके आईने में उसे खुद को देखना चाहिए।

काकुरो पहेली - 3077

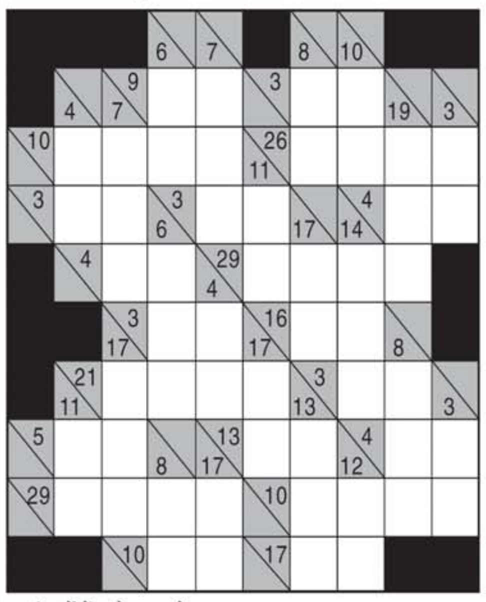

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

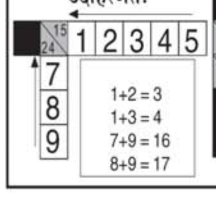

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3076 का हल

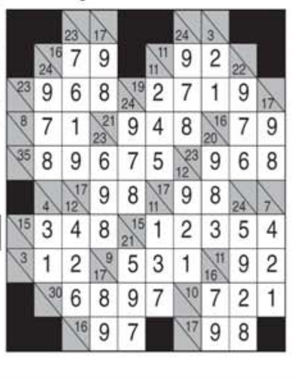

हंसी के फूव्वारें

ज्यादातर फिल्में शादी होने का दृश्य दिखाकर ही क्यों खत्म हो जाती हैं?

ताकि शादी के बाद के दुखद दृश्य न देखने पड़ें.

नर्स, मैं तुमसे बेहद प्यार करता हूँ, मैं अब अच्छा नहीं होना चाहता.

नर्स बोली-तुम अब अच्छे हो भी नहीं सकते क्योंकि डॉक्टर भी मुझसे प्रेम करता है और उसने मुझे तुमसे प्यार करते हुए देख लिया है.

अविवाहिता-क्या तुम अपनी किसी सबसे बड़ी बेवकूफी का प्रमाण दे सकते हो?

अविवाहित-तुमने प्यार कर लिया, यह क्या छोटा प्रमाण है?

सुनीता-पता नहीं इस बार साड़ियों के कौन-कौन से नये डिजाइन निकलेंगे?

मोहन-वही दो! एक जो तुम्हें पसन्द नहीं आयेगा. दूसरा वह जिसे खरीदने के लिए मेरे पास रुपये नहीं होंगे.

एक पति ने अपनी घरवाली से पूछा-युधिष्ठिर भी जुआ खेले थे, फिर तू मुझे क्यों रोकती है?

घरवाली ने कहा -नहीं रोकूंगी, लेकिन याद रखना कि द्रौपदी के भी पांच पति थे.

फिल्म वर्ग पहेली- 3077

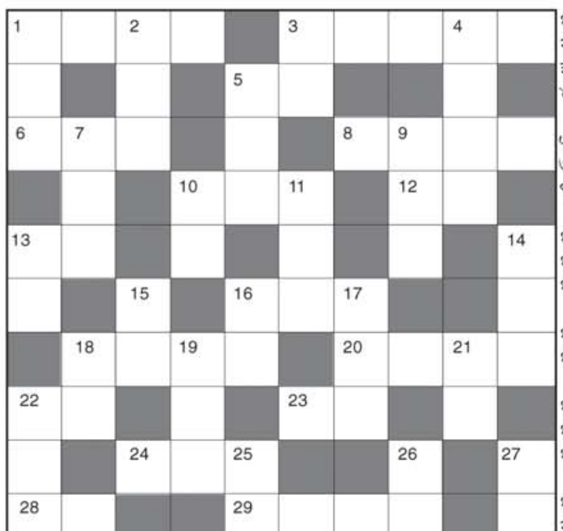

बायें से दायें:-

१. अक्षय खन्ना, करीना की प्रियदर्शन निर्देशित एक कॉमेडी फिल्म-४
३. 'झिलमिल सितारों का आँगन' गीत वाली धर्मेन्द्र, राखी की फिल्म-३,२
५. अजय, नाना, फरदीन, उर्मिला, रेखा की 'ये सर्द आहें' गीत वाली फिल्म-२
६. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला' गीत वाली फिल्म-४
१०. 'पर्दे में रहने दो' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा पारेख की फिल्म-३
१२. 'सीता और गीता' में संजीव के साथ वाली हेमामालिनी के पात्र का नाम-२
१३. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, ईशा देओल, रिमी सेन की फिल्म-२
१६. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'आने वाला पल जाने' गीत वाली अमोल पालेकर, बिंदिया की फिल्म-४
२०. जैकी, मोहसिन खान, नीलम की 'एक तू ही मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'तेरा काम है जलना' गीत वाली राज कपूर और नर्गिस की फिल्म-२
२३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२४. सुदर्शन नाग निर्देशित सनी देओल, नीलम की १९९१ की एक फिल्म-३
२८. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'हम भूलेंगे' गीत वाली अमिताभ, अरशद, करिश्मा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. शॉवरअली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
२. 'भागे रे मन' गीत वाली फिल्म-३
३. सनी, सलमान, करीश्मा, तब्बू की फिल्म-२
४. अमिताभ, दीपक, डिम्पल, करिश्मा की 'कभी खुशियों की' गीत वाली फिल्म-४
५. 'तेरे नाम' में सलमान की नायिका थी-३
७. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
९. 'जिंदगी इम्तिहान' गीत वाली अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
१०. नागार्जुन, अमला की एक फिल्म-२
११. सुनील शेट्टी, रवीना, करिश्मा, की फिल्म-३
१३. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'बेनाम सा ये दर्द' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तुम ने दी आवाज' गीत वाली फिल्म-३
१५. सनी, अजय जडेजा, सेलिना की 'तुमको कितना है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'इस टूटे दिल' गीत वाली फिल्म-२
१७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला टैगोर की एक फिल्म-३
१८. 'अकेले ही अकेले चला' गीत वाली दिलीपकुमार, सायरा बानो की फिल्म-२
१९. आयूब खान, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. 'ऐ मेरी जिंदगी' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
२२. राजकुमार, मीना की 'ठाड़े रहियो ओ बांके यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
२६. मनोज बाजपेयी, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
२७. 'कैसे कटे दिन' गीत वाली राजेश खन्ना, गोविंदा, जूही, माधवी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3076

सूडोकु -3077

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3076 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 3077

बाएँ से दाएँ

1.सेवक,दास-3
3.निवास करना-3
5.खुजली-2
6.परोपकारी-5
9.प्याला,जाम-2
11.टोंटी,नलका-2
12.आनंद,जूस-2
13.प्रतिज्ञा,शपथ-3
16.सिमरन,सुमरन-3
18.सुअर-3
20.पेन,लेखनी-3
22.कमल,जलज-3
23.क्रोध,गुस्सा-2
24.पाश,फंदा-2
25.शोषण करना-3
28.गौरव,प्रशंसा-3
30.सूत कातने का साधन-3
31.गौरव-3
33.देवर्षि-3
35.अंधकार-2
36.यमराज-2
38.अलमस्त-2
40.सलाह देने वाला-5
41.बीता दिन-2
42.रसदार-3
43.इंद्रियों को जीतने वाला-3

ऊपर से नीचे

1.उर्वरक-2
2.विशाल,श्रेष्ठ-3
3.धनवान,संपन्न-3
4.घ्राणेंद्रिय,इज्जत-2
5.दैत्य,असुर-3
7.मायाजाल-3
8.उद्धार,पार लगाना-3
10.शरण,आश्रय-3
14.चूर-चूर,ढहा-5
15.टोंटी,नलका-2
17.युद्ध,संग्राम-2
18.दूल्हा-2
19.राजपुत्र-5
21.मद्रास का समुद्र तट-3
22.नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26.मित्र,दोस्त.मीत-2
27.हूर,अप्सरा
29.मेहंदी-2
30.शीर्ष,पराकाष्ठा-3
31.इसमें पौधा लगाते हैं-3
32.पीहर,नैहर-3
34.युक्तिवाद,पैरवी-3
35.टब,परात,तगारी-3
37.इच्छा-3
39.परत,तह-2
41.कदर,सम्मान-2

शब्द पहेली -3076 का हल

30 को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर किसानों की महापंचायत

गांव-गांव जाकर जनसभा कर रहे किसान, बोले- हम अपना हक वापस लेकर रहेंगे

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर एक बार फिर किसान हार न बोलेंगे। अखिल भारतीय किसान सभा के नेतृत्व में 30 जनवरी को किसानों की एक महापंचायत ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर होगी। इसको लेकर किसान सभा के कार्यकर्ता ग्रेटर नोएडा के गांव गांव जाकर पंचायत कर रहे हैं। सभी से 30 जनवरी को प्राधिकरण पर आने की अपील कर रहे हैं।

30 जनवरी के आंदोलन को लेकर किसान तैयारी में जुटे हुए हैं। आखिल भारतीय किसान सभा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर जनसभा कर रहे हैं। लोगों को प्राधिकरण के खिलाफ एकजुट करने का प्रयास कर रहे हैं। इसी कड़ी में बीरौंडा, सिरसा, खानपुर और मलकपुर में जनसभाएं आयोजित की गई। जिसमें सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया।

जनसभा को संबोधित करते हुए किसान सभा के जिला अध्यक्ष डॉ. रुपेश वर्मा ने कहा कि केंद्र और उत्तर प्रदेश की सरकार बड़े पूंजीपतियों के साथ गठजोड़ बनाकर कार्य कर रही है। किसानों की आमदनी दोगुनी करने का वादा किया था। स्वामीनाथन कमीशन की रिपोर्ट लागू करने का वादा किया था। किसानों के साथ छल हुआ है। किसान लागत से भी कम दाम पर अपनी फसल बेचने को मजबूर है। आत्महत्या करने को मजबूर हैं। यह सरकार जुमले की सरकार है। पूंजीपति की सरकार है।

किसान सभा के संयोजक वीर सिंह नागर ने जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि 30 जनवरी का आंदोलन 10 प्रतिशत आबादी प्लाट के लिए किया जा रहा है। जिसमें हजारों किसान उत्साह के साथ हिस्सा लेने आ रहे हैं। किसान अपना हक लेने आ रहे हैं। पक्का मोर्चा लगाएंगे और हक लेकर ही घर वापस जाएंगे।

किसान सभा के जिला उपाध्यक्ष अजब सिंह नेताजी ने ऐलान किया कि पहले चरण में हमने 10 परसेंट सहित अन्य मुद्दों को प्राधिकरण बोर्ड से पास कराया है। अब शासन से अनुमोदन प्राप्त करने के लिए आंदोलन होगा, लड़ाई आर पार की होगी।

किसान सभा के सचिव अशोक भाटी ने कहा कि किसान सभा हमेशा आर पार की लड़ाई लड़ती है। किसी मुद्दे को अधूरा नहीं छोड़ती। नितिन चौहान ने संबोधित करते हुए कहा कि गांव-गांव कमेटी बनाकर किसान सभा के संगठन को मजबूत किया जा रहा है। जिसके नतीजे में किसान सभा अब जिले में सबसे मजबूत संगठन के तौर पर उभरा है।

किसान सभा की केंद्रीय समिति के सदस्य पुष्पेंद्र त्यागी ने संबोधित करते हुए कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर पूरे देश में हर जिले तहसील में ट्रैक्टर रैली मोटरसाइकिल रैली आयोजित की गई है। अखिल भारतीय किसान सभा गौतम बुद्ध नगर इकाई पूरे जोर-शोर से संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा किए जा रहे आंदोलन का समर्थन करती है और केंद्र सरकार से मांग करती है कि किसानों से किए वादों को तुरंत पूरा करें। अन्यथा संयुक्त किसान मोर्चा पिछली बार की तरह दिल्ली को जाम करने का कार्य करेगा।

मुठभेड़ में गोली लगने से घायल बदमाश गिरफ्तार

नोएडा। थाना फेस-2 क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस और बाइक सवार बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। जिसमे गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया। जिसको पुलिस ने गिरफ्तार कर उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। पकडे गए बदमाश पर चोरी और लूट के एक दर्जन मुकदमे दर्ज है। उसके पास से तमंचा, खोखा कारतूस, जिंदा कारतूस और एक चोरी की बाइक बरामद हुई है।

पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से बदमाश घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एडीसीपी नोएडा सेंट्रल हृदेश कठेरिया ने बताया कि थाना फेज-दो की पुलिस फूल मंडी से पुश्ता रोड पर चैकिंग कर रही थी। उसी दौरान मोटर साइकिल सवार एक संदिग्ध व्यक्ति को देखकर, पुलिस ने जांच के लिए रोकने कोशिश की गई। लेकिन वह पुलिस टीम को चकमा देकर फूल मण्डी के पीछे की तरफ मोटर साइकिल से भागने लगा। पुलिस ने पीछा कर बदमाश को घेरने सफल रही अपने आप को घिरा देख बदमाश पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने का प्रयास किया। लेकिन पुलिस की जवाबी कार्रवाई की, जिसमें पैर मे गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। एडीसीपी नोएडा सेंट्रल ने बताया कि पुछताछ के दौरान बताया कि गिरफ्तार बदमाश की पहचान आकाश उर्फ योगेश पुत्र जगत के रुप में हुई। आकाश झाझर पूर्वा जिला औरैया का रहने वाला है, वर्तमान छिजारसी सेक्टर 63 रह रहा है।

उस पर चोरी और लूट के एक दर्जन मुकदमे दर्ज है। उसके पास से तमंचा, खोखा कारतूस, जिंदा कारतूस और एक चोरी की मोटर साइकिल बरामद हुई है।

ग्रेनो में डिलीवरी बॉय ने महिला से की छेड़छाड़

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर थाना क्षेत्र की एक सोसायटी में डिलीवरी बॉय ने एक घर में घुसकर अकेली महिला को पाकर उसके साथ छेड़छाड़ की घटना को अंजाम दिया। सोसायटी निवासी महिला वकील ने एक डिलीवरी बॉय पर फ्लैट में घुसकर छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया। महिला की शिकायत के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

सूरजपुर कोतवाली पुलिस के मुताबिक, महिला वकील ने एक डिलीवरी बॉय के खिलाफ छेड़छाड़ की शिकायत दी है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उन्होंने शुक्रवार की शाम कुछ खाने का सामान ऑर्डर किया था। डिलीवरी बॉय ऑर्डर लेकर उनके फ्लैट पर पहुंचा। इस बीच आरोपी ने महिला को घर में अकेला पाकर उनके साथ छेड़छाड़ की कोशिश की।

महिला के विरोध करने पर आरोपी ने गंदी हरकत की और वहां से भाग निकला। महिला ने शोर मचाया तो सोसायटी के लोग वहां इकट्ठे हो गए और आरोपी डिलीवरी बॉय को पकड़ लिया। इसके बाद उसकी जमकर पिटाई कर दी। सोसाइटी में इस घटना को लेकर हुए हंगामे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

महिला की तहरीर पर मुकदमा दर्ज

सूरजपुर कोतवाली प्रभारी पुष्पराज सिंह का कहना है कि महिला वकील की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया गया है और आरोपी डिलीवरी बॉय के बारे में पता लगाया जा रहा है। आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि 29 अक्टूबर 2023 को ग्रेटर नोएडा गेस्ट की एक सोसाइटी में डिलीवरी बॉय ने एक युवती को अकेला पाकर उसके घर में घुसकर छेड़खानी की थी। महिला ने शोर मचाया तो डिलीवरी बॉय भाग गया था। इसके बाद बिसरख थाना पुलिस ने मुठभेड़ के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया था।

दुष्कर्म कर युवती पर बनाया धर्मांतरण का दबाव

नोएडा। शहर की कंपनी में काम करने वाली युवती से दुष्कर्म कर धर्मांतरण का दबाव बनाया गया। पीड़ित की शिकायत कोतवाली सेक्टर-63 पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी जुबैर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं, युवती का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह जुबैर पर आरोप लगा रही है। गाजियाबाद निवासी युवती नोएडा सेक्टर-63 स्थित कंपनी में काम करती है। उसकी जान-पहचान छिजारसी में रहने वाले जुबैर से हुई थी। दोनों में बातचीत होने लगी और एक-दूसरे के संपर्क में आ गए। आरोप है कि 11 जनवरी को जुबैर युवती को होटल में ले जाकर दुष्कर्म किया और मोबाइल से वीडियो बना लिया। इसके बाद से जुबैर वीडियो की आड़ में लगातार ब्लैकमेल कर रहा है। युवती का आरोप है कि जुबैर उस पर इस्लाम धर्म स्वीकार करने के लिए दबाव बना रहा था। ऐसा न करने पर अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दे रहा था।

एनपीसीएल का बिजली चोरों पर शिकंजा

25 लोगों पर केस, एक ही दिन कई जगहों पर छापेमारी, 34 लाख का लगाया जुर्माना

गौतम बुद्ध नगर। बिजली चोरों के खिलाफ नोएडा पावर कंपनी लिमिटेड की विजिलेंस टीम लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में एनपीसीएल की टीम ने अलग-अलग जगहों पर कार्रवाई करते हुए बिजली चोरी पकड़ी। एनपीसीएल की टीम ने देवला, कुलेसरा, रावल और जगनपुर गांव समेत शहरी क्षेत्र में भी छापेमारी की और लोगों को भारी मात्रा में बिजली चोरी करते पकड़ा।

एनपीसीएल की टीम ने के द्वारा गांव देवला में छापेमारी के दौरान सचिन भाटी के यहां 14 दुकानों और किराए के 30 कमरों में बिजली चोरी पकड़ी गई।

परिसर की जांच के दौरान पता चला कि सचिन के स्वामित्व वाली आर्य मार्केट और 30 कमरों में मीटर की इनकमिंग वायर को काटकर उसे आउटगोइंग वायर में जोड़कर मीटर को बायपास करते हुए बिजली चोरी की जा रही थी। अपने नाम पर बिजली कनेक्शन होते हुए भी सचिन भाटी अवैध तरीके से 30 किलोवाट का लोड जोड़कर बिजली चोरी करते पकड़ा गया।

वहीं देवला के अलावा कुलेसरा, रावल और जगनपुर गांव में भी बिजली चोरों पर शिकंजा कसा गया। कुलेसरा में भारती सिहं, रावल में रतन सिंह और जगनपुर में जयवरी सिंह को भारी मात्रा में बिजली चोरी करते पकड़ा गया। ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा एनपीसीएल की टीम ने शहरी क्षेत्र में भी बिजली चोरों के खिलाफ अभियान चलाया। सेक्टर गामा-2 में भंवर सिंह और बीटा-2 में पवन कुमार के यहां भारी मात्रा में बिजली चोरी पकड़ी गई।

एफआईआर की हो रही कार्रवाई

बिजली चोरों के खिलाफ अलग-अलग जगहों पर हुई कार्रवाई के दौरान बिजली चोरी के कुल 25 मामले दर्ज किए गए। इस पूरे अभियान में बिजली चोरी में शामिल लोगों पर 129 किलोवाट बिजली चोरी का लोड दर्ज कर 34 लाख का जुर्माना लगाया गया है। बिजली चोरी में शामिल सभी लोगों के खिलाफ एनपीसीएल प्रबंधन की ओर से एंटी पावर थेफ्ट थाने में एफआईआर दर्ज कराने की कार्रवाई की जा रही है।

आने वाले दिनों में तेज होगा अभियान

एनपीसीएल इन दिनों आधुनिकतम तकनीक का इस्तेमाल कर उपभोक्ताओं के यहां लगे मीटरों के डेटा का सटीक विश्लेषण करता है, जिससे बिजली चोरी करनेवालों की पहचान आसान हो गई है। एनपीसीएल आनेवाले दिनों में बिजली चोरों के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू करने वाला है और एनपीसीएल प्रबंधन सभी क्षेत्रवासियों से अपील करता है कि वो वैध कनेक्शन लेकर मीटर के जरिए ही बिजली का उपयोग करें।

तेज रफ्तार ब्रेजा कार ने 4 लोगों को रौंदा, एक की मौत

मासूम सहित 3 घायल, सड़क किनारे खड़े होकर खरीद रहे थे मूंगफली

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा देखने को मिला। यहां एक तेज रफ्तार ब्रेजा गाड़ी ने मूंगफली खरीद रहे लोगों को रौंद दिया। इसमें एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हो गए।

सूरजपुर थाना क्षेत्र के लखनावली में शुक्रवार शाम को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जहां लखनावली के पास ही मूंगफली की ठेली से कुछ लोग मूंगफली खरीद रहे थे।

इस दौरान एक तेज रफ्तार ब्रेजा गाड़ी आई और उसने रहेड़ी के पास खड़े हुए वाहनों में जोरदार टक्कर मार दी। यह टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ब्रेजा गाड़ी ने वहां पर खड़े हुए सभी वाहनों को रौंद दिया।

हादसे में चार लोग घायल हो गए, जिन्हें आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान जितेंद्र (40) के रूप में हुई, जोकि लखनावली का रहने वाला था। जबकि इस हादसे में निशांत नाम का एक बच्चा इसके अलावा जारचा थाना क्षेत्र के गुलावती खुर्द का रहने वाला उपेंद्र सहित एक अन्य युवक घायल हो गए।

एक युवक को लोगों ने पकड़ा

बताया जा रहा है कि यह हादसा इतना जबरदस्त था कि सबसे पहले उस ब्रेजा गाड़ी ने एक मोटरसाइकिल को टक्कर मारी।

उसके बाद एक ई-रिक्शा को टक्कर मारी और ऑटो को टक्कर मारने के बाद बुलेट मोटरसाइकिल को भी टक्कर मार दी। इसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने ब्रेजा गाड़ी में सवार एक युवक को पकड़ लिया, जबकि एक युवक मौके से फरार हो गया।

पुलिस ने गाड़ी को कब्जे में लिया

मृतक के भाई द्वारा दी गई शिकायत में पुलिस को बताया गया कि ब्रेजा कार सवार उनके ही गांव का रहने वाला था और उसके द्वारा ही टक्कर मारी गई है। टक्कर मारने के बाद भी उन लोगों ने मृतक के परिजनों के साथ गाली गलौज की। फिलहाल इस मामले में पुलिस ने परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर दिया है। गाड़ी को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई कर रही है।

महिला ने किया सुसाइड

नोएडा। नोएडा के बिशनपुर गांव में एक महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे में फंदे पर लटका हुआ मिला। मृतका के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। मृतका के परिजनों ने उसके पति पर उत्पीडन करने का आरोप लगाया है। मूल रूप से मिर्जापुर निवासी बृजेश शर्मा अपनी पत्नी सुधा शर्मा व बेटी के साथ बिशनपुर गांव में किराए पर रह रहा था। थाना सेक्टर-58 पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस परिजनों से पूछताछ करेगी।

बृजेश शर्मा एक निजी कंपनी में नौकरी करता है शनिवार को वह घर से अपनी ड्यूटी के लिए चला गया। कुछ देर बाद पड़ोसियों ने उसे फोन कर सूचना दी की सुधा शर्मा ने फांसी लगा ली है। सूचना के आधार पर मौके पर थाना सेक्टर 58 पुलिस भी पहुंची। प्रारंभिक पूछताछ में बृजेश शर्मा ने बताया कि सुधा पिछले काफी समय से कहीं बाहर घूमने जाने के लिए कह रही थी। बेटे की तबीयत खराब होने के कारण उसने इनकार कर दिया था।

थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पारिवारिक कलह का मामला भी प्रकाश में आया है। इस संबंध में महिला के परिजनों ने बृजेश शर्मा पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

हालांकि अभी तक महिला के परिजनों की ओर से कोई शिकायत नहीं दी गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। इसके बाद ही कोई एक्शन लिया जाएगा। पति पत्नी और बच्चा तीनों बिशनपुरा में किराए के कमरे में रहते थे।

सोसाइटी में धार्मिक स्थल के निर्माण का विरोध

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट की आम्रपाली लेजर वैली सोसाइटी के परिसर में अवैध रूप से धार्मिक स्थल का निर्माण कराए जाने का विरोध शुरू हो गया है। इस मामले में सोसाइटी की अस्थाई एओए को शिकायती पत्र दिया गया है। इसमें आरोप लगाया कि एओए ने बिना प्राधिकरण की अनुमति और नक्शा पास कराए परिसर में धार्मिक स्थल का निर्माण कार्य करा रही है। इससे फ्लैट को ओसी और सीसी सर्टिफिकेट मिलने में परेशानी होगी। फ्लैटों की रजिस्ट्री होने में भी अड़चन आएगी।अजीत कुमार ने बताया कि अम्रपाली लेजर पहले सोसाइटी में उनका बी टावर में फ्लैट है। 26 जनवरी को वह फ्लैट को देखने आए। इस दौरान उन्हें पता चला कि उनके टावर के पास में अवैध रूप से पार्किंग एरिया में धार्मिक स्थल का निर्माण कराया जा रहा है, जो की सोसाइटी के नक्शे में भी नहीं है। उन्होंने बताया कि सोसाइटी में अस्थाई एओए बनी हुई है। एओए ने इस स्थान के चारों तरफ टेंट लगा दिया है। साथ ही पक्का निर्माण करने की तैयारी चल रही है। अगर ऐसा रहा तो आगे चलकर अन्य निवासियों को उनके फ्लैट मिलने में दिक्कत होगी। अथॉरिटी के सर्वे के दौरान अवैध निर्माण पाया जाएगा। इससे ओसी और सीसी सर्टिफिकेट नहीं मिल पाएगा और लोगों के घरों की रजिस्ट्री नहीं हो पाएगी। अजीत ने इस मामले में अस्थाई एओए को शिकायत पत्र दिया है। उनका कहना है कि अगर कोई सुनवाई नहीं हुई तो वह एनबीसीसी, कोर्ट रिसीवर और सुप्रीम कोर्ट में भी शिकायत देंगे। साथ ही जरूरत पड़ने पर पुलिस और प्राधिकरण से भी शिकायत करेंगे।

तीसरी मंजिल से धक्का देकर पत्नी की हत्या कर दी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में एक शख्स ने पत्नी को तीसरी मंजिल से धक्का दे दिया। जिससे पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। इसके बाद आरोपी विकास ही पत्नी को अस्पताल ले गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद विकास पत्नी के शव को छोड़कर अस्पताल से भाग गया। घटना शुक्रवार रात थाना कविनगरकी है। जिसके बाद शनिवार को पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में विकास ने बताया कि उसका अपनी पत्नी शालू से अक्सर घरेलू विवाद होता था और शालू उसकी कोई भी बात नहीं मानती थी। इससे परेशान होकर उसने पत्नी को तीसरी मंजिल से धक्का दे दिया। पुलिस के मुताबिक गाजियाबाद के विकास चौधरी और बागपत की रहने वाली शालू की 10 साल पहले शादी हुई थी।

भाकियू ने निकाली ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा

किसानों की समस्याओं को लेकर डीएम के नाम सौंपा ज्ञापन, बोले- हमारी मांगें जल्द पूरी करें

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के द्वारा ट्रैक्टरों पर सवार होकर तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस तिरंगा यात्रा में सैकड़ों की तादाद में ट्रैक्टर और किसान शामिल हुए। किसानों ने कहा कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं होती हैं तो वह एक बार फिर आंदोलन करने पर मजबूर होंगे।

भारतीय किसान यूनियन की ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा ग्रेटर नोएडा की जीरो पॉइंट से प्रारंभ होकर पी3 गोल चक्कर, यथार्थ अस्पताल होते हुए जीरो पॉइंट के धरना स्थल पर समाप्त हुई। धरना स्थल पर पहुंचकर तीनों प्राधिकरण एवं जिलाधिकारी के नाम किसानों की समस्याओं का ज्ञापन दिया गया।

भारतीय किसान यूनियन के पश्चिम उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पवन खटाना ने बताया कि नोएडा प्राधिकरण गढ़ी

शाहपुर, गुलावली के किसानों के 5त्न के प्लॉट तुरंत दिए जाएं। सैमसंग, मदरसन आदि कंपनियों में प्राथमिकता से किसानों के बच्चों को रोजगार दिया जाए। सेक्टर की तर्ज पर गांव का विकास कार्य कराया जाए। इलाहाबास गांव की 33 एकड़ भूमि में मूल निवासियों से नोएडा प्राधिकरण का नाम हटाया जाए।

मीडिया प्रभारी सुनील प्रधान ने बताया कि नए गांव का अधिग्रहण करने से पहले सर्किल रेट में बढ़ोतरी की जाए। विस्थापन नीति में सुधार किया जाए। वहीं संक्रमित पट्टे धारकों को संक्रमित भूमि दर्ज किया जाए। तहसीलों में दाखिल खारिज एवं कर्मचारियों की त्रुटि के कारण नामांतरण पर किसानों का आर्थिक व मानसिक शोषण बंद किया जाए।

डूब क्षेत्र में पिछले दिनों से अपनी जरूरत के आधार पर अगर किसान अपनी जमीन को बेचना चाहता है तो उस पर रोक लगाई हुई है। खरीद की छूट देकर किसान हित में निर्णय लिया जाए। हल्दोना तुगलपुर बिसरख आदि गांव की आबादियों का निस्तारण तुरंत किया जाए। झाड़े वाले मंदिर का अंडरपास का कार्य तत्काल प्रभाव से शुरू कराया जाए।

वहीं उन्होंने कहा कि ओप्पो, वीवो एवं हायर आदि कंपनियों में स्थानीय युवकों को रोजगार के नाम पर हो रहे शोषण बंद कराया जाए।

शार्ट न्यूज

सैफुल्लाह हत्याकांड का खुलासा, 3 गिरफ्तार

गाजियाबाद। गाजियाबाद में शुक्रवार को बोरे में मिले शव का पुलिस ने खुलासा किया है। इस मामले में पुलिस ने तीन दोस्तों को गिरफ्तार किया है। 29 हजार रुपए के विवाद को लेकर हत्या की गई थी। ईंट और पत्थर से सिर कुचलकर हत्या करने के बाद बोरे में भर शव फेंक दिया था। एसीपी शालीमार गार्डन सिद्धार्थ गौतम ने बताया की थाना टीला मोड़ क्षेत्र के गरिमा गार्डन की फिरदौस मस्जिद के पास शुक्रवार 26 वर्षीय युवक का शव मिला था। युवक की पहचान सैफुल्लाह के रूप में हुई थी। सैफुल्लाह मुख्य रूप से फरीदाबाद का रहने वाला था और यहां अपनी ससुराल के पास किराए के मकान में रहता था। सैफुल्लाह पहले ऑटो चलाता था, लेकिन चोरी के मामले में जेल गया था। जेल से आने के बाद वह पुताई का काम करने लगा था। शव मिलने के बाद पुलिस ने जब सीसीटीवी और मोबाइल सर्विलांस की मदद ली तो पुलिस के सामने सैफुल्लाह के तीन दोस्तों के नाम सामने आए। यह तीन दोस्त इमरान, रजब और नईम के मुताबिक 25 तारीख की रात को इमरान के घर में कोई नहीं था। सैफुल्लाह को स्मैक पीने के लिए बुलाया और फिर ईट और पत्थर से सिर कुचल के उसकी हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि पूछताछ में सामने आया है कि कुछ दिन पहले सैफुल्लाह के घर से 29000 रुपए चोरी हो गए थे। जिसमें सैफुल्लाह ने अपने दोस्तों पर आरोप लगाया था।

फर्जी डॉक्यूमेंट्स नौकरी करने का प्रयास

गाजियाबाद। डाक विभाग की भर्ती में एक महिला अभ्यर्थी ने अपने एजुकेशन डॉक्यूमेंट्स फर्जी लगा दिए। डाक विभाग ने जब सत्यापन कराया तो इसका पता चला। गाजियाबाद में महिला अभ्यर्थी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। गाजियाबाद डाकघर के प्रवर अधीक्षक ने थाना कविनगर में दर्ज कराई एफआईआर में अनु सिंह को नामजद किया है। अनु सिंह प्रयागराज में मुंडेरा बाजार की रहने वाली है। प्रवर अधीक्षक के अनुसार, भारतीय डाक विभाग में ग्रामीण डाक सेवक की ऑनलाइन भर्ती निकली हुई थी। इसमें सभी आवेदन ऑनलाइन लिए गए। उसके बाद अभ्यर्थियों से सभी प्रकार के शैक्षणिक डॉक्यूमेंट्स भी ऑनलाइन प्राप्त किए गए। अनु सिंह ने अपने दस्तावेजों में मध्यप्रदेश राज्य ओपेन स्कूल भोपाल से हाईस्कूल पास होना दर्शाया है। डाक विभाग ने हाईस्कूल के सर्टिफिकेट की जांच कराई तो वो फर्जी एवं कूटरचित पाया गया है। जिसके बाद प्रवर अधीक्षक ने थाना कविनगर में अनु सिंह के खिलाफ इंडियन पैनल कोड की धारा-420, 467, 468, 471 में शनिवार को मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने इस प्रकरण में जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

किसान की लाश 15 दिन पहले नदी में फेंकी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में 15 दिन से लापता चल रहे 53 वर्षीय किसान के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। प्रॉपर्टी डीलर ने उनकी लाश गंगनहर में फेंकने की बात कुबूली है। उसने कहा है कि किसान ने मेरे ऑफिस में आकर सुसाइड कर लिया और खुद के फंसने के डर से मैंने लाश ठिकाने लगा दी। हालांकि मृतक के परिजनों का सीधे तौर पर आरोप है कि प्रॉपर्टी डीलर ने हत्या की है। फिलहाल लाश बरामद नहीं हो पाई है। पुलिस सर्च ऑपरेशन चला रही है। मधुबन बापूधाम इलाके में सदरपुर गांव है। यहां के 53 साल के उमेश चौधरी उर्फ कुकी पेशे से किसान थे। करीब 10 साल पहले उन्होंने 23 लाख रुपए में एक प्लॉट बेचा था और ये रुपए गोविंदपुरम के प्रॉपर्टी डीलर नीरज कौशिक को दिए थे। नीरज ने इस रकम को अपने काम में लगाकर कुछ दिनों बाद अच्छे ब्याज के साथ लौटाने का वायदा किया था। अब उमेश के 15 लाख रुपए नीरज पर उधार थे और बीते 5 साल से उसने एक पाई नहीं लौटाई थी। उमेश चौधरी उर्फ कुकी के बेटे आशु चौधरी ने बताया,%11 जनवरी की सुबह साढ़े 8 बजे मेरे पिताजी उधार पैसा वापस मांगने प्रॉपर्टी डीलर नीरज कौशिक के घर गए थे। उसका घर गोविंदपुरम एच-ब्लॉक में है और घर में ही उसका दफ्तर भी है। इसके बाद पिताजी लापता हो गए। हम पुलिस चौकी और फिर थाने पर गए। पुलिस ने हमारी कोई मदद नहीं की।

गाजियाबाद में पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़

गाजियाबाद। गाजियाबाद के थाना लिंक रोड क्षेत्र में बदमाशों के साथ पुलिस की मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में एक बदमाश के दोनों पैरों में गोली लगी है। वहीं उसका साथी बदमाश फरार हो गया। आरोपी बदमाश वही है जिसने 14 तारीख को स्कूटी सवार लड़की से बैग छीना था। इस वारदात में युवती गिर के गंभीर रूप से घायल हो गई थी। गाजियाबाद एसीपी साहिबाबाद रजनीश उपाध्याय ने बताया कि थाना लिंक रोड पुलिस इंद्रप्रस्थ कॉलेज के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को एक संदिग्ध बाइक आती दिखाई दी। बाइक को रोकने का इशारा करने पर बाइक सवार बाइक को घुमाकर फरार होने लगे। साथ ही पुलिस पर गोली चला दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के दोनों पैरों में गोली लगी है। वहीं उसका साथी बदमाश फरार हो गया। पुलिस पूछताछ में घायल बदमाश ने अपना नाम नितिन कसाना पुत्र राजकुमार निवासी शकलपुरा थाना लोनी बताया है। वहीं फरार बदमाश का नाम लोकेश है। एसीपी साहिबाबाद रजनीश उपाध्याय ने बताया कि यह दोनों बदमाश शातिर लुटेरे हैं। 14 जनवरी को इन्होंने साक्षी नाम की युवती से बैग लूट था। साक्षी स्कूटी पर थी। इसी दौरान स्कूटी गिर गई थी और साक्षी के सिर में गंभीर चोट आई थी। साथ ही इन पर मोबाइल लूट के भी मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी बदमाश के कब्जे से तमंचा, कारतूस चोरी की मोटरसाइकिल और लूटा गया एक मोबाइल बरामद किया है।

मोदीनगर में महिला से ठगी

मोदीनगर। मोदीनगर में एक युवती के खाते से शातिरों ने 17 हजार रुपये निकाल लिए। पीड़िता ने बताया कि उसके पास एक महिला की कॉल आई थी। जिसमें उसने क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के लिए लिंक भेजा और इसके बाद खाते से 17 हजार रुपये की निकासी हो गई। मामले में रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है। अवलोक मंडप के निकट रहने वाली तनु साहनी के अनुसार, 9 नवंबर 2023 को उनके पास एक कॉल आई। कॉल एक महिला ने की थी। जिसने अपना नाम अर्चना बताया और बताया कि वह बैंक से बोल रही है। आपके क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के लिए कॉल की गई है। इसके लिए एक लिंक भेजा गया है। जिसमें क्रेडिट कार्ड नंबर दर्ज कराना है। पीड़िता ने लिंक को खोलकर उसमें क्रेडिट कार्ड दर्ज कर दिया। कुछ ही देर में मिले मैसेज से पीड़िता को पता चला कि उसके खाते से 18 हजार रुपये की निकासी हुई है। इसके बाद पीड़िता ने जिस नंबर से कॉल आई थी उस पर कॉल की, लेकिन फोन नंबर बंद मिला। इस बाबत पीड़िता ने बैंक में शिकायत की। तीन माह बीतने के बाद भी कार्रवाई न होने पर पीड़िता ने पुलिस से गुहार लगाई है। पुलिस का कहना है कि मामला साइबर क्राइम से जुड़ा है। जांच शुरू कर दी गई है। भूपेंद्रपुरी कॉलोनी निवासी आशु कंसल दवाई की सप्लाई करता है। उनके मुताबिक वर्ष 2018 में उनकी मुलाकात मेडिकल स्टोर संचालक आदेश शर्मा और विधान कौशिक से हुई। इनका मेडिकल स्टोर है। आरोपियों के कहने पर आशु कंसल ने दवाई की सप्लाई शुरू कर दी।

तुराबनगर का नाम बदलकर सीताराम बाजार करने की मांग, लगे प्रस्तावित नाम के बोर्ड

गाजियाबाद। गाजियाबाद जिले के बाद अब शहर के तुराबनगर बाजार का नाम बदलने की कवायद शुरू हो गई है। तुराबनगर व्यापार मंडल ने इसका नाम बदलकर सीताराम बाजार रखने की मांग की है। इसके साथ-साथ तुराबनगर बाजार से जुड़ी अन्य गलियों का नाम भी देवी-देवताओं और पवित्र चरित्रों के नाम पर रखने की मांग की गई है। व्यापार मंडल के पदाधिकारी जल्द ही यह प्रस्ताव नगर निगम में महापौर और निगम अधिकारियों को सौंपेंगे। तुराबनगर व्यापार मंडल के चेयरमैन रजनीश बंसल ने बताया कि बाजार की विभिन्न गलियों के नाम रामायण के पावन चरित्रों के नाम पर रखते हुए एक प्रस्तावित मानचित्र जारी किया गया है। इन गलियों को अभी तक न तो कोई नंबर और न ही कोई नाम दिया गया है। इसकी वजह से इन गलियों की दुकानों को कोई पता आज तक नहीं मिल पाया है। ग्राहकों को इन गलियों में संचालित दुकानों को तलाशना मुश्किल हो जाता है। इस प्रस्ताव के स्वीकार होने पर गलियों को भी पहचान मिल जाएगी और दुकानों पर पहुंचना ग्राहकों के लिए सरल हो जाएगा। शनिवार को व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने बाजार के दुकानदारों को प्रस्ताव की प्रति देकर समर्थन जुटाया।

यूपी में 4 दिन और पड़ेगी कड़ाके की ठंड

मुजफ्फरनगर में 3.2 मेरठ में 3.5 पहुंचा पारा; 62 जिलों में कोहरे का अलर्ट

कानपुर। यूपी में कड़ाके की ठंड से अभी 4 दिन राहत मिलने के आसार नहीं है। दिन में हल्की धूप खिल सकती है, लेकिन शीतलहर के आगे यह बेअसर होगी। पिछले 24 घंटे में मुजफ्फरनगर प्रदेश में सबसे ठंडा रहा। यहां पारा 3.2 दर्ज किया गया। वहीं, मेरठ में तापमान 3.5 रहा। झांसी का अधिकतम पारा सबसे अधिक रहा। 7 दिन बाद यहां 20.5 रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विभाग ने शनिवार को 62 जिलों में कोहरे का अलर्ट जारी किया है। लखनऊ में भी सुबह 7 बजे के बाद घना कोहरा छा गया। 54 शहरों में सीवियर सीवियर कोल्ड डे का अलर्ट जारी किया है।

अगर कल यानी शुक्रवार की बात की जाए तो 9 जिले सीवियर कोल्ड डे की चपेट में रहे हैं।

मौसम विभाग ने कहा कि अलर्ट वाले जिलों में दोपहर तक कोहरा छाया रह सकता है। कुछ स्थानों पर थोड़ी देर के लिए हल्की धूप निकलेगी। लेकिन शाम होते ही फिर से कोहरे का अनुमान है। ऐसे में मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि जरूरी न हो तो लंबी दूरी की यात्रा से बचें। डिपर और हॉर्न का इस्तेमाल करें।

फरवरी की शुरुआत में बारिश का भी अनुमान

कानपुर की सीएसए यूनिवर्सिटी के मौसम विज्ञानी डॉ. एसएन सुनील पांडेय के मुताबिक, अगले कुछ दिनों तक तापमान में बढ़ोतरी जरूर होगी, लेकिन ठंड से राहत नहीं मिलेगी। इसके अलावा, फरवरी की शुरुआत बारिश से हो सकती है। फिलहाल अगले 4 दिनों तक ठंड और घना कोहरा रहेगा।

27 जनवरी से एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालय की ओर बढ़ेगा। इससे पहाड़ों पर बर्फबारी के साथ मैदानी इलाकों में बारिश की संभावना बन रही है। हालांकि, बारिश हल्की ही होगी। एंटी साइक्लोन के चलते उत्तर पश्चिमी हवाओं पर थोड़ा ब्रेक लगेगा।

कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी समेत 62 जिलों में कोहरे का अलर्ट

मौसम विभाग ने शनिवार को 62 जिलों में घने कोहरे की चेतावनी दी है। इनमें आगरा, अमेठी, अमरोहा, औरैया, आजमगढ़, बदायूं, बागपत और बहराइच हैं। इसके अलावा, बलिया, बलरामपुर, बांदा, बरेली, बस्ती, बिजनौर, चित्रकूट, देवरिया, इटावा, फतेहपुर, फिरोजाबाद, गाजीपुर, गोंडा, गोरखपुर, हमीरपुर, जालौन, जौनपुर, झांसी, कानपुर देहात में कोहरे की चेतावनी दी गई है।

इसके अलावा, कानपुर नगर, कौशांबी, कुशीनगर, लखीमपुर खीरी, महाराजगंज, महोबा, मथुरा और मऊ, मेरठ, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, पीलीभीत, प्रतापगढ़, प्रयागराज, रायबरेली, रामपुर, संतकबीर नगर, संत रविदास नगर, सहारनपुर, संभल, शाहजहांपुर, शामली, सिद्धार्थ नगर, सीतापुर, श्रावस्ती और वाराणसी में भी कोहरा छाया रहेगा।

अयोध्या, गोरखपुर समेत 54 जिलों में सीवियर कोल्ड डे अलर्ट

मौसम विभाग ने 54 जिलों में सीवियर कोल्ड डे का अलर्ट जारी किया है। आगरा, अंबेडकरनगर, अमेठी, अमरोहा, औरैया, अयोध्या, आजमगढ़, बदायूं, बहराइच, बलिया, बलरामपुर, बांदा, बरेली, बस्ती, बिजनौर, चित्रकूट, देवरिया, इटावा, फतेहपुर, फिरोजाबाद, गाजीपुर, गोंडा, गोरखपुर, हमीरपुर में कोल्ड डे अलर्ट जारी किया है।

चार करोड़ की धोखाधड़ी करने वाला बदमाश गिरफ्तार

महोबा। उत्तर प्रदेश मे महोबा जिले की पुलिस ने आज बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए अमानत में ख्यानत के एक प्रकरण मे फर्जी व कूटरचित दस्तावेज तैयार करके 04 करोड़ की धनराशि की धोखाधडी करने वाले बदमाश को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस अधीक्षक अपर्णा गुप्ता ने बताया कि महोबा कोतवाली क्षेत्र मे क्रेशर व् बोल्डर की खनन कारोबारी बड़ी फर्म के मालिक मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम निवासी रस्मीत सिंह ने बीती 11जनवरी को पुलिस मे एक शिकायत देकर अपने मैनेजर 26 वर्षीय सचिन प्रकाश पर कूटरचित दस्तावेज तैयार करके खनिज विक्रय के करीब 04 करोड रुपये की धोखाधडी कर लिए जाने का आरोप लगाया था। वादी के मुताबिक शिकायत की भनक लग जाने पर आरोपी ने अपने मोबाइल फोन बंद कर लिए थे और फर्म के कार्यालय में रखे 08 लाख 50 हजार रुपये नगद लेकर चोरी की स्विफ्ट डिजायर कार से फरार हो गया। पुलिस ने इस तहरीरी सूचना के आधार पर सदर कोतवाली आरोपी सचिन प्रकाश के खिलाफ आईपीसी की धारा 420,406 का अभियोग पंजीकृत कर साक्ष्य संकलित कर विवेचना शुरू की गई थी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस घटना को बड़ी चुनौती मानते हुए अनावरण के लिए पुलिस की पांच टीम गठित की गयी थी, जिन्होंने क्रमश: हरियाणा के पानीपत, सोनीपत, दिल्ली, मुम्बई तथा लखनऊ के लिये रवाना रवाना होकर आरोपी की तलाश की थी। पुलिस टीमों द्वारा धोखाधडी करने वाले अभियुक्त के सम्बन्ध में कई महत्वपूर्ण साक्ष्यों का संकलन भी किया गया।

मिर्जापुर : पुलिस मुठभेड़ में चार इनामी बदमाश गिरफ्तार

मिर्जापुर। उत्तर प्रदेश में मिर्जापुर जिले की पुलिस ने आभूषण और नकदी लूट कर फरार चल रहे चार इनामी बदमाशों को आज गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने पूरे घटनाक्रम के सम्बन्ध में बताया कि मड़िहान थाना क्षेत्र के अटारी गांव के पास 15जनवरी की रात कलवारी बाजार से दुकान बंद कर लौट रहे व्यापारी अजीत केशरी और उसके भाई की कार को रोक उन्हें गोलीमारकर घायल कर नकदी और आभूषण की लूट को अंजाम दिया गया था, जिसकी रिपोर्ट उसी रात मड़िहान थाने में दर्ज कराई गई थी।

अभिनंदन ने बताया कि अपराधियों को पकड़ने के लिए तीन टी गठित की गई थी। आज भोर में लुटेरे अटारी गांव निवासी शैलेन्द्र चौहान और रोहतास बिहार निवासी अंकित चौहान को सर्विलांस और मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया गया।उनकी निशानदेही पर नकदी और सोना और चांदी के आभूषण की बरामदगी की गई। उन्होंने बताया कि मुखबिर की सूचना पर सेलेरियो कार सवार पच्चीस हजार के इनामी बदमाश रामनिवास और धंन्जय चौहान को जब पुलिस ने बेला जंगल में घेरा तो दोनों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी।

पुलिस ने भी बचाव में चली गोली चलायी जिसमें दोनों अपराधी घायल हुए हैं। दोनों के पैर में गोली लगी है।उनका उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है, जहां दोनों खतरे से बाहर है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सेलेरियो कार के साथ घटना में प्रयुक्त एक बाईक भी कब्जे में ली गई है। साथ ही साथ लूट के सोने के 55ग्राम के आभूषण व सात किलो चांदी भी बरामद किया गया है।

बनारस से जयपुर जा रही वोल्बो बस अज्ञात वाहन से टकराई, चालक की मौत

फिरोजाबाद । उत्तर प्रदेश में फिरोजाबाद जिले के शिकोहाबाद में आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे पर शनिवार सुबह एक वॉल्बो बस अज्ञात वाहन से टकरा गई, जिसमें बस चालक की मौत हो गई, जबकि चार यात्री घायल हो गए। दुर्घटना एक्सप्रेस वे पर नगला खंगर क्षेत्र में हुई और सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भेजा। बस में सवार चेतनराम पुत्र उमाराम निवासी नागौर राजस्थान, सूरज पुत्र प्रेमप्रकाश निवासी सेंगरई थाना सेंगरई हनुमानगढ़, संजीव मौर्य पुत्र शिवपूजन मौर्य निवासी बेहटा थाना सहसपुर जिला गाजीपुर सहित सात घायल हो गए जबकि चालक धनपाल की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया, जबकि घायलों को अस्पताल में भर्ती करा दिया है।मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया।

यूपी में सपा-कांग्रेस में गठबंधन

सपा ने कांग्रेस को 11 सीटें दीं, अखिलेश बोले- इंडिया और पीडीए इतिहास बदल देगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आखिरकार सपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन हो गया। प्रदेश में 11 सीटों पर कांग्रेस लोकसभा चुनाव लड़ेगी। अखिलेश ने खुद ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा- कांग्रेस के साथ 11 मजबूत सीटों से हमारे सौहार्दपूर्ण गठबंधन की अच्छी शुरुआत हो रही है। ये सिलसिला जीत के समीकरण के साथ और भी आगे बढ़ेगा।

उन्होंने लिखा- इंडिया की टीम और पीडीए की रणनीति इतिहास बदल देगी। इससे पहले, सपा और रालोद में 7 सीट पर गठबंधन हुआ था। यानी, अब यूपी में इंडिया गठबंधन में सपा, कांग्रेस और रालोद के बीच सीटों पर सहमति बन गई है।

यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा- अखिलेश के ट्वीट पर केंद्रीय नेतृत्व को फैसला लेना है। फिलहाल, दोनों पार्टियों के बीच सकारात्मक और अच्छे माहौल में बातचीत चल रही है।

इससे पहले, 17 जनवरी को दिल्ली में कांग्रेस के साथ सपा महासचिव राम गोपाल यादव की बैठक हुई थी। बैठक में बाहर निकलकर राम गोपाल ने कहा था, हमने आधा रास्ता तय कर लिया है। बाकी आधा रास्ता भी जल्द तय कर लिया जाएगा। राम गोपाल के इस बयान के बाद से यह संकेत मिल गए थे कि सीट शेयरिंग को लेकर कांग्रेस और सपा में बात बन गई है।

60 सीटों पर सपा लड़ेगी चुनाव

इससे पहले, 19 जनवरी को अखिलेश यादव ने 7 सीट आरएलडी को देने का ऐलान किया था। वहीं, 1-1 सीट अपना दल कमेरावादी और चंद्रशेखर की पार्टी की दे सकती है। ऐसे में माना जा रहा है कि बची हुई 60 सीटों पर सपा चुनाव लड़ेगी।

अमेठी, रायबरेली समेत 11 सीट कांग्रेस को मिल सकती हैं

कांग्रेस को प्रदेश की कौन-सी 11 सीट दी जाएगी। इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। हालांकि, सूत्रों के मुताबिक, वाराणसी, गोरखपुर, महाराजगंज, प्रयागराज, झांसी, कुशीनगर, गाजियाबाद , अमेठी, रायबरेली, लखनऊ और बांसगांव कांग्रेस को दी जा सकती है।

डेढ़ साल के मासूम को पटक कर मार डाला

बेटे की हत्या कर हंसता रहा पिता, गांव वाले बोले- पिता को टांगी से काटकर मार डाला था

एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। एक पिता ने अपने डेढ़ साल के मासूम बेटे को सड़क पर पटक-पटक कर मार डाला। गुस्से में पिता इतना निर्दयी हो गया कि मासूम की जान लेने के बाद भी उसके चेहरे पर अफसोस कोई निशान नहीं दिखे। मासूम का कसूर सिर्फ इतना था कि वह खेलते हुए सड़क पर चला गया और कंक्रिट पर बैठकर खेलने लगा।

इतने में पिता की नजर उसपर पड़ गई तो वह गुस्से से बौखला उठा। उसने मासूम को गोद में उठाया और वहीं पर

पटक-पटक कर उसे मार डाला। हालांकि, निर्दयी पिता के लिए यह कोई नई बात नहीं है।

इससे पहले भी वह अपने पिता को टांगी से काटकर मौत के घाट उतार चुका है। घटना कैम्पियरगंज इलाके मोहनाग गांव की है। हालांकि, यह सबकुछ देख आसपास मौजूद कुछ महिलाएं भी उसे बचाने उस तरफ दौड़ीं। लेकिन, तब तक काफी देर हो चुकी थी। इसके बाद आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी पिता एलेक्शन पटेल को गिरफ्तार कर लिया। लेकिन, गिरफ्तारी के बाद भी वह हंसता हुआ दिख रहा था।

कई बार मासूम को जमीन पर पटका

दरअसल, कैम्पियरगंज इलाके के मोहनाग गांव का एलेक्शन पटेल खेत से साइकिल से आ रहा था। उसकी पत्नी भी पीछे पीछे आ रही थी। गांव के अनुज सहानी के घर के पास पहुंचा तो उसका 19 महीने का बेटा आदर्श सहानी घर के सामने सड़क पर खेल रहा था। यह देख पिता बौखला गया। उसने अनायास मासूम बच्चे को उठाया और कंक्रीट की सड़क पर पटक दिया। कुछ महिलाओं घटना देखकर दौड़ी और बच्चे को बचाने का प्रयास किया लेकिन सनक में निर्दयी व्यक्ति ने मासूम को दो तीन बार उठाकर जमीन पर पटकने लगा। जिससे मौके पर ही मासूम की मौत हो गई।

3 फरवरी तक स्कूलों में होगी ऑनलाइन पढ़ाई

लखनऊ। लखनऊ में कड़ाके की ठंड के बीच स्कूलों में 3 फरवरी तक ऑनलाइन पढ़ाई के आदेश जारी किए गए हैं।शनिवार को लखनऊ डीएम सूर्यपाल गंगवार की तरफ से जारी आदेश में कहा गया हैं कि जिन स्कूलों में ऑनलाइन पढ़ाई की सुविधा नही हैं, वहां पर 10 बजे से 3 बजे तक क्लास चले पर यूनिफॉर्म की बाध्यता नही होगी।

डीएम के आदेश में कहा गया हैं कि स्टूडेंट्स को ठंड से बचाने के लिए कक्षाओं में पर्याप्त प्रबन्ध करने के निर्देश दिए गए हैं।

साथ ही टेम्परेचर मेन्टेन करने के लिए जरूरत पड़ने पर हीटर के प्रयोग करने की बात कही। वही क्लास, प्रैक्टिकल और एग्जाम क्लासेज के लिए स्टूडेंट्स को बाहर-खुले में नहीं बैठाया जाएगा। साथ ही यूनिफार्म पहनने की बाध्यता भी नही रहेगी।

राजधानी लखनऊ में इससे पहले 20 जनवरी तक स्कूलों की छुट्टियां बढ़ाई गई थी। इस बार अवकाश की डेट आगे नही बढ़ाई गई है पर ऑनलाइन पढ़ाई के निर्देश जारी हुए हैं।

मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक शीतलहर चलने का अनुमान जताया हैं। उसके बाद 22 जनवरी को ऑनलाइन पढ़ाई का आदेश जारी किया गया था।

घर में चल रहा था जुआ, 8 आरोपी गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर में खतौली भूड़ पुलिस चौकी क्षेत्र के मोहल्ला गीतापुरी में पुलिस ने जुआ खेलते हुए आठ लोगों को हिरासत में लिया। जुआ खिलाने का सरगना समेत दिल्ली व उत्तराखंड के जुआरी गिरफ्तार किए हैं। पुलिस ने मौके से कार, 1.32 लाख रुपये की नकदी समेत छह मोबाइल बरामद किए हैं। पूछताछ के बाद सभी आरोपितों को जेल भेजा गया। वहीं, इनके अलावा सट्टेबाजों की धरपकड़ के लिए भी टीम लगी है। सीओ खतौली डॉ. रविशंकर, इंस्पेक्टर मुकेश कुमार ने बताया कि भूड़ पुलिस चौकी क्षेत्र के मोहल्ला गीतापुरी निवासी राजू उर्फ सोनी पुत्र मूलचंद अपने घर पर जुआ खिलाता था। कस्बे के मोहल्ला जमुना विहार निवासी विकास गोयल पुत्र विक्रम सैन उसे ग्राहक उपलब्ध कराने का काम कर रहा था। जुआ से होने वाली कमाई में राजू 70 प्रतिशत का हिस्सेदार रहता था, जबकि 30 प्रतिशत टीम में वितरित होता था। गत दिवस पुलिस ने राजू के घर पर दबिश देकर राजू, विकास के साथ अर्जुन पुत्र रमेश निवासी मोहल्ला वाल्मीकि बस्ती, ज्वालापुर, अशोक कुमार पुत्र जमुना प्रसाद निवासी होली मोहल्ला कनखल, हरिद्वार उत्तराखंड, शमशाद पुत्र बफई अहमद निवासी शहजादाबाद इंद्रलोक दिल्ली को पकड़ा है।

राज्यमंत्री ने किया ध्वजारोहण : एसपी ने दी परेड को सलामी

ललितपुर । उत्कृष्ठ कार्य करने वाले जनपद के पुलिस कर्मियों को पदक व प्रशंसा चिन्ह से किया गया सम्मानित कानून व्यवस्था सुदुर्ण बनाये रखने व कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले यूपी 112 व जनपदीय पुलिस के अधिकारी/कर्मचारीगण को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। देश की एकता और अखंडता को समर्पित 75 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन ललितपुर में रैतिक परेड का आयोजन किया गया । पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक (जिला पुलिस के प्रथम परेड कमांडर) के

सतत् पर्यवेक्षण एवं कुशल मार्गदर्शन में पुलिस कर्मियों की 08 टोलियों द्वारा भव्य ऐतिहासिक परेड में सहभागिता कर मुख्य अतिथि मा0 राज्यमंत्री, जल शक्ति विभाग,उ0प्र0 रामकेश निषाद जी द्वारा झण्डा रोहण किया गया । रैतिक परेड में 08 टोलियों में पारंपरिक वेशभूषा से सुसज्जित पुलिस के जवानों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गयी। माननीय मुख्य अतिथि महोदय द्वारा परेड का निरीक्षण किया गया तदोपरान्त परेड द्वारा लयबद्ध हर्ष फायर किया गया। माननीय मुख्य अतिथि द्वारा शान्ति एवं सौहार्द, समृद्धि के प्रतीक रंग-बिरंगे गुब्बारों को आकाश की तरफ छोड़ने के पश्चात परेड के निरीक्षण हेतु पुलिस अधीक्षक के साथ वाहन पर सवार होकर भव्य रैतिक परेड का निरीक्षण किया गया । गणतंत्र दिवस परेड का नेतृत्व प्रथम कमांडर क्षेत्राधिकारी लाइन रक्षपाल सिंह व द्वितीय कमांडर प्रतिसार निरीक्षक जगदीश चन्द्र व तृतीय कमांडर उपनिरीक्षक सशस्त्र पुलिस छोटेलाल पाल द्वारा नेतृत्व किया गया । इस परेड में 8 टोलियों द्वारा प्रतिभाग किया गया है, इन टोलियों के अतिरिक्त मोटरसाइकिल दस्ता,अग्निशमन दस्ता,शक्ति मोबाइल टीम, वज्र वाहन, स्वाट टीम,डायल 112 व महिला पीआरवी के साथ होमगार्ड व एनसीसी कैडिड्स ने भी प्रतिभाग किया । पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी को संविधान की शपथ दिलाई गई ।

थाना समाधान दिवस में अचानक पहुँचे कमिश्नर डीआइजी

ललितपुर। डॉ0 आदर्श सिंह आयुक्त, झॉसी मण्डल एवं डीआईजी झॉसी कलानिधि नैथानी द्वारा रेंज के जनपद ललितपुर के थाना तालबेहट में आयोजित थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाने पर आये हुये पीड़ितों की समस्याओं को विस्तारपूर्वक सुना गया तथा शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु अधीनस्थों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। समाधान दिवस में जिलाधिकारी ललितपुर, पुलिस अधीक्षक,

ललितपुर एवं अन्य प्रशासनिक एंव पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

इसके अतिरिक्त डीआईजी झॉसी द्वारा थाना कार्यालय एवं परिसर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये- 1- माल मुकदमाती एवं वाहनों के रखरखाव हेतु एण्टीग्रेटेड वाहन यार्ड स्थापित करने हेतु जनपद प्रभारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

2- चैकीदारों के रिक्त पदों नई नियुक्ति करने हेतु निर्देशित किया गया। 3- डीआईजी झॉसी द्वारा आगामी निर्वाचन के दृष्टिगत जनपद के जातिगत एवं सामप्रदायिक मामलों को चुनाव के पूर्व निस्तारित करने के आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। तथा उचित निरोधआत्मक कार्रवाई के आदेश भी दिए।

नाबालिग लड़की से स्कूल में गैंगरेप

हाथरस। हाथरस में एक 16 साल की नाबालिग लड़की के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। पीड़िता के घर के पास रहने वाले दो सगे भाईयों ने उसे बहाने से साथ ले गए और जबरन एक बंद स्कूल की बिल्डिंग में ले जाकर बारी-बारी से दरिंदगी की। किसी तरह पीड़िता उनके चंगुल से छूटकर घर पहुंची। परिवार वालों को पूरी आपबीती बताई। तब परिवार के लोग उसे लेकर थाने पहुंचे। पुलिस ने आरोपी दो सगे भाईयों पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को पकड़ लिया है। वारदात चंदपा कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की है। गांव में पीड़िता अपने परिवार के साथ रहती है। उसके घर के पास ही इब्राहिम का परिवार रहता है। इब्राहिम के दो बेटे वसीम और नफीस अक्सर उसके घर आया जाया करते थे। इनमें नफीस (22) शादीशुदा है। जबकि उसका भाई वसीम (20) अविवाहित है। पीड़िता ने बताया , इन दिनों मेरे खते में आलू की खुदाई चल रही है। शुक्रवार की शाम करीब 6 बजे मैं अपने खेत पर पापा के पास आलू लेने गई थी।

शार्ट न्यूज

लखनऊ की फैक्ट्री में डकैती

लखनऊ। लखनऊ के चिनहट थाना क्षेत्र स्थित इंडस्ट्रियल एरिया स्थित एक ट्रांसफार्मर फैक्ट्री में शुक्रवार रात असलहों के दम पर 11 लोगों ने धावा बोल दिया। लुटेरों ने कर्मचारियों को बंधक बनाकर करीब 80 लाख रुपये का कॉपर वायर गाड़ी में भर कर ले गए। पुलिस ने डकैती की एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल कर रही है। देवा रोड पर बालाजी ट्रांसफार्मर नाम से फैक्ट्री में शुक्रवार रात पांच मजदूर और एक सिक्योरिटी गार्ड था। फैक्ट्री मालिक संजीव अग्रवाल के मुताबिक देर रात दस-ग्यारह लोगों ने फैक्ट्री में धावा बोल कर सबको बंधक बना लिया। इसके बाद असलहों के बल पर लूटपाट शुरू की। मजदूरों ने विरोध किया तो सबको पीटा। उसके बाद करीब 6500 किलो कॉपर का तार, रिले गैस सिलिंडर और एक मजदूर का मोबाइल लूट कर एक ट्रक में ले गए। डीसीपी पूर्वी आशीष श्रीवास्तव के मुताबिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। सर्विलांस की टीम को भी लगाया गया है।

करंट लगने से युवक की मौत

भदोही। उत्तर प्रदेश में भदोही जिले के गोपीगंज क्षेत्र के गहरपुर मोड़ स्थित एक विद्यालय में टेंट का कार्य कर रहे युवक की करंट लगने से मौत हो गई है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जिले के गोपीगंज थाना क्षेत्र के गहरपुर गांव में करंट की चपेट में आने से शुक्रवार देर शाम मजदूर की मौत हो गई है। बताया जाता है कि सराय जगदीश गांव निवासी राम शिरोमणि का पुत्र सुनील कुमार (20 वर्ष) गांव के ही किसी टेंट कारोबारी के बुलाने पर गहरपुर मोड़ स्थित एक निजी विद्यालय में 26 जनवरी के कार्यक्रम को लेकर टेंट लगाया था। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वह शाम को टेंट खोल रहा था। इसी दौरान जमीन पर फैली केबिल युवक के पैर के नीचे आ गई, जिससे युवक करेंट की चपेट में आ गया। आनन फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों के मुताबिक युवक तीन भाइयों में सबसे छोटा था। पिता मुंबई में कोई कार्य करते है। परिजनों मे टेंट कारोबारी के प्रति काफी आक्रोश भी देखा गया।

महोबा : युवक ने लगायी फांसी

महोबा। उत्तर प्रदेश मे महोबा जिले के पनवाड़ी क्षेत्र मे आज एक युवक ने गृह कलह के चलते फांसी पर झूल कर आत्महत्या कर ली। पुलिस उप अधीक्षक हर्षिता गंगवार ने बताया कि कस्बे के प्रतिष्ठित किराना व्यवसायी रमेश गुप्ता के 25 वर्षीय पुत्र मयंक का फांसी पर झूलता हुआ शव पुलिस ने उसके कमरे से बरामद किया है। आरोप है कि मयंक ने रोज की गृह कलह से क्षुब्ध होकर आत्महत्या कर ली। परिजनों के मुताबिक सुबह उठने के उपरान्त चाय नाशता करके वह अपने कमरे मे चला गया था। काफी देर तक उसकी कोई आहट न मिलने पर परिवार के लोगों ने रोशनदान से कमरे मे झांक कर भीतर देखा तो भीतर मयंक का शव सीलिंग फैन के कुंदे पर लटका देख उनके होश उड़ गए। पुलिस उप अधीक्षक ने बताया कि परिजनों कि सूचना पर पुलिस ने मोके पर पहुंच युवक के शव को बरामद कर अपने कब्जे मे लिया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाया है। पुलिस मामले कि जांच कर रही है। किराना ब्यापारी रमेश गुप्ता का मयंक इकलौता पुत्र था। पड़ोसियों के मुताबिक पिता-पुत्र के बीच किसी बात पर सुबह तीखी झड़प हुयी थी, उनके बीच हुए झगड़े मे तीखी आवाजे आने पर मुहल्ले के लोग भी एकत्र हो गए थे।

अवैध वसूली मामले में पांच आरोपी गिरफ्तार

ललितपुर । अपर पुलिस महानिदेशक कानपुर जोन कानपुर एवं पुलिस उप महानिरीक्षक झांसी, परिक्षेत्र झांसी के निर्देश के क्रम में पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी सदर अभय नारायण राय के निकट पर्यवेक्षण थाना कोतवाली पुलिस द्वारा थाने पर पंजीकृत मु0अ0सं0 51/2024 धारा 386.504.506 भादवि व बढोत्तरी धारा 120बी भादवि थाना कोतवाली के बांछित अभियुक्त निशान्त निगम उर्फ मुन्ना पुत्र महेन्द्र कुमार निगम उम्र 41 वर्ष निवासी मसौराकला थाना कोतवाली हाल पता आजादपुरा थाना कोतवाली दीपक कुमार कुशवाहा उर्फ पेन्टर पुत्र लक्ष्मीनारायण कुशवाहा उर्फ लख्कू उम्र 29 वर्ष निवासी चौबयाना रघुनाथ जी बडा मंदिर के पास थाना कोतवाली सुनील कुमार कुशवाहा पुत्र स्व0 पच्चू कुशवाहा उम्र 27 वर्ष निवासी चौबायान मलैया मंदिर के पास थाना कोतवाली प्रीतम सिंह पुत्र मान सिंह उम्र 40 वर्ष निवासी हरदुआ थाना बनवार जिला दमोह हाल पता युसुफ का मकान मु0 चौबयाना थाना कोतवाली 5- राजकुमार कुशवाहा पुत्र बारे लाल उम्र करीब 53 वर्ष निवासी मु0 चौबयाना नये कुआं के पास थाना कोतवाली ललितपुर को मुखबिर की सूचना पर बंधा पूँछा तिराहे से गिरफ्तार कर अभियुक्त गणो को मा0 न्यायालय पेश किया जा रहा है ।

हमीरपुर पुलिस के हत्थे चढ़े तीन शातिर

हमीरपुर। हमीरपुर ज़िले की मुस्करा थाना पुलिस ने तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है जो किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर जब चेकिंग अभियान चलाया तो एक ओमनी वैन सवार पुलिस को देख कर भागने लगे। पुलिस ने घेराबंदी करते हुए उन्हें दबोच लिया। तलाशी के दौरान अभियुक्तों के पास से दो तमंचे और कारतूस बरामद हुए हैं। शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में कामयाबी मिली है मुस्करा थाना पुलिस को, पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गुन्देला गांव के पास चेकिंग अभियान चलाया हुआ था। इसी दौरान एक ओमनी वैन सामने से आई जिसे पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो वैन सवार वैन लेकर भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी करके उन्हें रोक लिया। पुलिस ने जब वैन की तलाशी ली तो वैन से दो तमंचा और चार कारतूस बरामद हुए हैं। मुस्करा थाना प्रभारी ब्रजमोहन ने बताया कि वैन में महोबा जिले के खरेला थाना क्षेत्र का सुरेन्द्र राजपूत, जलालपुर थाना क्षेत्र के बिलगांव गांव का नीरज लोधी व खरेला थाना क्षेत्र के चन्दौली गांव का चंचल सिंह चंदेल सवार था। इन लोगों ने वैन की नंबर प्लेट हटाकर एक बाइक की नंबर प्लेट लगाई हुई थी।

गैराज मालिक ने काटा मैकेनिक का प्राइवेट पार्ट

चौरी, भदोही। भदोही में शुक्रवार को प्रेम प्रसंग से नाराज गैराज मालिक ने मैकेनिक का प्राइवेट पार्ट काट दिया। दरअसल, मैकेनिक का गैराज मालिक की बहन से अफेयर चल रहा था। इसी से नाराज होकर उसने वारदात को अंजाम दिया। फिर मैकेनिक को ले जाकर उसके घर के बाहर फेंक दिया। घर के बाहर बेटे को खून से लतपथ देख पिता ने पुलिस को सूचना दी और उसे लेकर सरकारी अस्पताल गए। जहां गंभीर हालत देख डॉक्टर ने उसे रेफर कर दिया। फिर परिजन उसे ले जाकर निजी अस्पताल में एडमिट कराया। पुलिस ने पीड़ित के परिजनों की शिकायत पर 3 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। तीनों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना चौरी थाना क्षेत्र के बहुतरा खुर्द गांव की है। पीड़ित युवक रोहित प्रजापति (22) औराई थाना क्षेत्र के भगवती दासपुर गांव का रहने वाला है। रोहित ने बताया कि वह बहुतरा खुर्द गांव के रहने वाले सूरज प्रजापति के ऑटो गैराज में 3 साल से काम करता है। सूरज का गैराज भदोही के महमर क्षेत्र में है। गैराज में काम करने के दौरान मेरा सूरज की बहन से अफेयर हो गया था। हम दोनों एक दूसरे से बात भी करते थे। इस बीच हमारे प्रेम प्रसंग की भनक गैराज मालिक सूरज को लग गई।

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत

उन्नाव। सदर क्षेत्र के लोकनगर व आवास विकास के पीछे रेलवे लाइन के पास दो युवक ट्रेन की चपेट में आ गए। हादसे में एक की मौत हो गई, दूसरे की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल से कानपुर रेफर कर दिया गया। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस पहचान कराने की कोशिश कर रही है। पहली घटना लोकनगर रेलवे क्रासिंग के पास हुई। दोपहर कानपुर से आ रही जम्मू तवी ट्रेन लोकनगर के पास पहुंची थी कि अचानक एक 26 वर्षीय युवक ट्रेन की चपेट में आ गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस ने पहचान करने के लिए आसपास के लोगों से पूछताछ की पर पहचान नहीं हो पाई। पुलिस ने शव मोर्च्युरी में रखवाया और पहचान के लिए इंटरनेट मीडिया पर उसकी फोटो प्रसारित की। आसपास जिलों में भी उसका फोटो भेजा गया है। कोतवाल प्रमोद मिश्र ने बताया कि शव की पहचान कराने का कोशिश की जा रही है। अब तक सफलता नहीं मिली है यदि पहचान नहीं होती है तो 72 घंटे बाद मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। दूसरी घटना माखी क्षेत्र के रुपऊ गांव निवासी संतोष कुमार कश्यप का 22 वर्षीय पुत्र राज किसी काम से दोपहर सदर क्षेत्र गया था।

नाइट्रोजन से सजा-ए-मौत का विरोध

कनाडा। मजदूरों को ले जा रहा एक छोटा विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद कनाडा के सुदूर उत्तर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई है। यह घटना स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 8 बजकर 50 मिनट पर हुआ। र सिम्पसन ने दुर्घटना के पीड़ितों के परिवारों और दोस्तों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। सिम्पसन ने कहा, भारी मन से मैं उन लोगों के परिवारों, दोस्तों और प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। नॉर्थवेस्ट टेरिटरीज के मुख्य कोरोनर गर्थ एगेनबर्गर ने पुष्टि की कि मौतें हुई हैं, लेकिन कहा कि अधिकारी तब तक कोई और जानकारी नहीं देंगे जब तक कि परिजनों को सूचित नहीं किया जाता।

मिस्टर बीस्ट ने सिर्फ एक पोस्?ट से कमाए थे 2.79 करोड़

-परोपकार का जुनून ऐसा कि अनजान लोगों में बांट दिए 20-20 लाख

न्यूयार्क। दुनिया के सबसे अमीर यू-ट्यूबर मिस्टर बीस्ट के परोपकार के चर्चे हर जगह हो रहे हैं। उन्होंने सिर्फ एक पोस्ट से 2.79 करोड़ की कमाई की और 10 अंजान लोगों को 20-20 लाख रुपये बांट दिए। बता दें कि उन्होंने कुछ महीनों पहले एक वेटर को लग्जरी कार गिफ्ट में दे दी थी। अब खबर आ रही है कि उन्होंने 10 अनजान लोगों को 25-25 हजार डॉलर यानी लगभग 20-20 लाख रुपये बांट दिए हैं। ये पैसे उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट कर कमाए थे। आप जानकर हैरान होंगे कि महज एक वीडियो से उन्होंने 2.79 करोड़ रुपये कमा लिए थे। जानकारी के अनुसार अमेरिका के रहने वाले मिस्टर बीस्ट ने कुछ दिनों पहले एक्स पर एक पुराना वीडियो पोस्ट किया था, जो तेजी से वायरल हो गया। 20 करोड़ से ज्यादा लोगों ने उसे देखा, और इससे बीस्ट को करोड़ों रुपये की कमाई हुई। बाद में उन्होंने एक वीडियो शेयर कर बताया कि हमारे दर्शक मूल रूप से चीन को छोड़कर पूरी दुनिया में हैं, इसलिए मैंने सोचा कि चीन में भी इसे पहुंचाना चाहिए। मैं यह देखने के लिए बहुत उत्सुक हूं कि चीन में लोग मेरे द्वारा बनाए गए वीडियो के बारे में क्या सोचते हैं। यह एक मजेदार सफर होने वाला है। मिस्टर बीस्ट ने चीन के ऑनलाइन वीडियो प्लेटफार्म बिलिबिली पर 22 जनवरी को वीडियो को शेयर करते हुए यह बात कही। हालांकि आज भी उन्होंने एक वीडियो शेयर की है। मिस्टर बीस्ट ने वादा किया कि इससे होने वाली कमाई में से 25-25 हजार डॉलर वे 10 अनजान लोगों को देने वाले हैं, जो उनके फॉलोवर्स होंगे। जो उनके वीडियोज शेयर और लाइक करेंगे। 72 घंटों में भाग्यशाली विजेताओं को पैसे दे दिए जाएंगे। मिस्टर बीस्ट पहले भी इस तरह के चैलेंज अपने फॉलोवर्स को देते आए हैं। इसके बाद उनके पोस्ट को लाइक करने और शेयर करने वालों की बाढ़ आ गई। साउथ चाइना मार्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, यह खबर चीनी सोशल मीडिया साइट वीवो पर भी काफी तेजी से फैल गई। कई इंफ्लूएंशर ने भी यह वीडियो शेयर किया और अपने फॉलोवर्स से इसमें हिस्सा लेने को कहा। इस दौरान 35 लाख से ज्यादा बार मिस्टर बीस्ट का यह वीडियो रीपोस्ट किया गया और 21 लाख से ज्यादा लाइक्स मिले। बाद में पता चला कि उन्होंने पैसे अपने फॉलोवर्स को बांट दिए हैं, लेकिन उनके नाम सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। मिस्टर बीस्ट का असली नाम जिमी डोनाल्डसन है। सिर्फ 25 साल की उम्र में वह दुनिया के सबसे मशहूर यूट्यूबर बन चुके हैं। भारत समेत दुनिया के कई देशों में बच्चों और युवाओं में खासे लोकप्रिय हैं। सिर्फ एक वीडियो से ही वे लाखों कमा लेते हैं, लेकिन बहुत सारा पैसा दान भी करते हैं। यूट्यूब पर उनके मुख्य चैनल 'मिस्टर बीस्ट' 23 करोड़ 40 लाख सब्स्क्राइबर हैं। इसके अलावा 4 और यूट्यूब चैनल चलाते हैं।

इमरान के नेताओं को बड़ी राहत, अब चुनाव में बन सकेंगे प्रत्याशी

इस्लामाबाद। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआइ) के नेताओं को सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राहत दे दी। शीर्ष कोर्ट ने परवेज इलाही और कुछ अन्य वरिष्ठ नेताओं को आठ फरवरी को होने जा रहे आम चुनाव में प्रत्याशी बनने की अनुमति दे दी। तीन सदस्यीय पीठ ने इलाही की अपील पर सुनवाई की। इलाही ने लाहौर हाई कोर्ट और चुनाव ट्रिब्यूनल द्वारा उनकी उम्मीदवारी की अस्वीकृति के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। शीर्ष कोर्ट ने पीटीआइ के अन्य नेताओं उमर असलम, ताहिर सादिक, सनाम जावेद और शौकत बसरा को भी आगामी चुनाव में प्रत्याशी बनने की अनुमति दी है। इस बीच पीटीआइ ने शुक्रवार को कहा कि उसकी वेबसाइट को ब्लाक कर दिया गया है।

अदन की खाड़ी में हाउती आतंकियों ने मिसाइल से तेल टैंकर किया ध्वस्त

वाशिंगटन। एक हाउथी एंटी-शिप मिसाइल ने शुक्रवार को अदन की खाड़ी में एक तेल टैंकर को नुकसान पहुंचाया। हालांकि, किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। अमेरिकी सेना ने इसकी सूचना देते हुए बताया कि अमेरिकी नौसेना का एक जहाज सहायता प्रदान कर रहा है। यूएस सेंट्रल कमांड ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मार्शल आइलैंड्स के ध्वज वाले मार्लिन लुआंडा ने एक संकट कॉल जारी की और क्षति की सूचना दी। इसमें कहा गया है कि यूएसएस कार्नी और अन्य गठबंधन जहाज तेल टैंकर को सहायता प्रदान कर रहे थे। अमेरिकी सेना ने कहा कि एक हाउती एंटी-शिप मिसाइल ने अदन की खाड़ी में एक तेल टैंकर को क्षतिग्रस्त कर दिया। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। अमेरिकी नौसेना का एक जहाज सहायता प्रदान कर रहा है। हाउती का कहना है कि उनके हमले गाजा में इजरायल के हमले के तहत फलस्तीनियों के साथ एकजुटता में हैं। सेंट्रल कमांड ने कहा कि लगभग आठ घंटे बाद, अमेरिकी सेना ने एक हाउती एंटी-शिप मिसाइल को नष्ट कर दिया, जिसका लक्ष्य लाल सागर था। बता दें कि मिसाइल ने क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों और अमेरिकी नौसेना के जहाजों के लिए एक आसन्न खतरा पैदा कर दिया है। बता दें कि पिछले कई हफ्तों से लाल सागर में और उसके आसपास जहाजों पर ईरान-गठबंधन हाउती मिलिशिया के हमलों ने एशिया और यूरोप के बीच व्यापार को धीमा कर दिया है।

अंग्रेजी के आंगन में भारतीय परंपरा की झलक, गूंजा जय सिया राम, छात्र ने शिक्षक के पैर छुए

लंदन। भारतीय परंपराएं मजबूत और सटीक हैं कि दुनिया के दूसरे देश भी इसे अजमाने लगे है। वहां पैरे छूकर आशीर्वाद लेने का चलन शुरु हुआ तो जय सिया राम की गूंज भी सुनाई देने लगी है। हाल ही में इंग्लैंड के लीसेस्टर यूनिवर्सिटी में हाल ही में हुए दीक्षांत समारोह में एक छात्र ने कुछ ऐसा कर दिया कि सब लोग हैरान रह गए। दरअसल एक छात्र ने हाल ही में एक दीक्षांत समारोह के दौरान एक शिक्षक के पैर छूकर और 'जय सिया राम' कहकर दर्शकों को आश्चर्यचकित कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार अब इस घटना का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि दीक्षांत समारोह की पोशाक पहने छात्र, शिक्षक के पास आया और वह उनके पैर छूने के लिए झुका। बता दें कि पैर छुना एक प्राचीन भारतीय परंपरा है, जो गहरे सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक है। सोशल मीडिया पर वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया 'अपनी जड़ों, संस्कारों और परंपराओं पर गर्व करो - यूके के लीसेस्टर में ग्रेजुएशन समारोह के दौरान एक स्टूडेंट ने अपने टीचर के पैर छुए और 'जय सिया राम' का नारा लगाया।' वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पोस्ट पर एक यूजर ने कमेंट किया, 'अपनी जड़ों से कभी मत शरमाओ!' दूसरे ने कहा, 'ये देखकर बहुत अच्छा लगा कि आज की पीढ़ी भी अपनी संस्कृति और परंपराओं पर गर्व करती है।' चूंकि हॉल में बैठे कई लोगों को इस भारतीय परंपरा के बारे में जानकारी नहीं थी तो वह यह देखकर काफी हैरान रह गए। लेकिन कुछ देर बाद हॉल में तालियां बजने लगी।

पेरिस के पास चामंत में फ्रांसीसी किसान अपने ट्रैक्टरों से राजमार्ग को अवरुद्ध करते हुए। यह किसान मूल्य दबाव, करों और हरित विनियमन का विरोध रहे थे।

मुइज्जू का चीनी राग...दोनों देश एक-दूसरे का करते हैं सम्मान

माले। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने चीन के साथ अपने देश के रणनीतिक संबंधों की सराहना कर कहा कि दोनों देश एक-दूसरे का सम्मान करते हैं और बीजिंग हिंद महासागर द्वीप की संप्रभुता का पूरा समर्थन करता है। चीन की हाई-प्रोफाइल राजकीय यात्रा के बाद मालदीव लौटे मुइज्जू ने कहा कि चीन ने 1972 में राजनयिक संबंध स्थापित करने के बाद से मालदीव के विकास में सहायता प्रदान की है। चीन समर्थक नेता माने जाने वाले मुइज्जू ने अपनी हाल ही में संपन्न चीन यात्रा के दौरान मालदीव को बीजिंग के करीब लाने की कोशिश की और दोनों देशों ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया। उन्होंने कहा कि चीन की बेल्ट एंड रोड पहल द्विपक्षीय संबंधों को एक नए स्तर पर ले गई है। चीन ऐसा देश नहीं है जो मालदीव के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करेगा, यही कारण है कि दोनों देशों के बीच मजबूत संबंध हैं। उन्होंने कहा कि मालदीव और चीन एक-दूसरे का सम्मान करते हैं और चीन मालदीव की संप्रभुता का पूरा समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि उनके चीनी समकक्ष राष्ट्रपति शी जिनपिंग नागरिकों के हित को पहले रखते हैं और उनके नेतृत्व में चीन की अर्थव्यवस्था नई ऊंचाइयों पर पहुंची है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति शी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि चीनी सरकार मालदीव को उसके लक्ष्य हासिल करने में मदद करेगी।

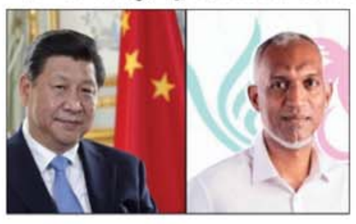

फिर पिटने के मूड़ में नजर आ रहा है पाकिस्तान, लगातार भारत को उकसाने पर तुले हैं

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान का कार्यवाहक प्रधानमंत्री बनने के बाद से अनवारुल हक काकड़ लगातार भारत के विरोध में बयान दे रहे हैं। कभी वह भारत को पाखंडी देश बताते हैं तो कभी भारत को उकसाने के लिए चीन की सीपीईसी परियोजना को आगे बढ़ाने की बात करते हैं। अब तो उन्होंने गीदड़ भभकी देते हुए कह दिया है कि ईरान की ओर से किये गये मिसाइल हमले के जवाब में जो पलटवार किया गया है उसमें भारत के लिए भी संदेश छिपा है। देखा जाये तो अनवारुल हक काकड़ की वैसे तो कोई ज्यादा बड़ी राजनीतिक हैसियत नहीं है लेकिन जबसे वह पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने हैं तबसे उन्होंने अपना राजनीतिक वजूद कायम करने के लिए भारत के विरोध में लगातार बोलना जारी रखा है। वह ऐसा इसलिए कर रहे हैं ताकि सुर्खियों में बने रहें और अपने भारत विरोधी रुख के चलते पाकिस्तानी सेना का समर्थन हासिल कर सकें। अनवारुल हक काकड़ यह सब करके पाकिस्तान में कोई राजनीतिक मुकाम हासिल कर पाएंगे या नहीं यह तो भविष्य के गर्भ में है लेकिन एक बात जो साफ तौर पर नजर आ रही है वह यह है कि कार्यवाहक प्रधानमंत्री अपने ही देश में हंसी के पात्र जरूर बनते जा रहे हैं। विदेशी चंदे, चीन की ओर से मिल रहे कर्ज और कुछ मुस्लिम देशों की ओर से फेंके गये मदद के टुकड़ों की बदौलत चल रहे पाकिस्तान ने दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत के बारे में जो कुछ कहा है उस पर दिल्ली ने तो कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है मगर आम पाकिस्तानी ही काकड़ को आईना दिखाने में लग गये हैं। पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर लोग तमाम तरह की प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पाकिस्तान की कार्यवाहक सरकार को कोस रहे हैं। हम आपको बता दें कि काकड़ ने अपनी गीदड़ भभकी में कहा है कि

ईरान को जिस तरह से जवाब दिया गया उससे भारत को भी साफ और स्पष्ट संदेश गया है। काकड़ ने एक समाचार चैनल से बातचीत में कहा है कि ईरान की ओर से जिस तरह से पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र के उल्लंघन किया गया, उसके बाद पाकिस्तानी सेना के पास ईरान को जवाब देने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने प्रतिक्रिया में एक मजबूत जवाब दिया और ये निश्चित रूप से भारत और पूरे क्षेत्र के लिए एक संदेश है। अब काकड़ के इस बयान के बाद आम पाकिस्तानी अपनी ही सरकार को कोस रहे हैं और कह रहे हैं कि भारत को उकसाना गलत है क्योंकि यदि उसने फिर से घुसकर मारा तो बड़ी फजीहत हो जायेगी। आम पाकिस्तानी कह रहे हैं कि जब भारत घुस कर मारता है तो हमारी सरकार कोई हमला होने से ही इंकार कर देती है मगर अब कह रही है कि भारत को संदेश चला गया है।

हम आपको यह भी याद दिला दें कि पिछले साल पीओके के दौरे के दौरान भी काकड़ ने भारत के खिलाफ जमकर जहर उगला था। काकड़ ने मुजफ्फराबाद में पीओके की विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा था कि भारत को दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश नहीं बल्कि सबसे बड़े पाखंडी देश के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए। इसके अलावा, जहां तक चीन की सीपीईसी यानि चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा परियोजना की बात है तो उस पर भी आगे बढ़ने की बात कह कर काकड़ ने भारत को उकसाने का काम किया है। हम आपको बता दें कि भारत शुरू से ही इस परियोजना का विरोधी रहा है। रिपोर्टों के मुताबिक काकड़ ने इस्लामाबाद में कहा है कि सीपीईसी के पहले चरण को हासिल करने के बाद, पाकिस्तान अपनी प्रारंभिक परियोजनाओं से लाभान्वित हो रहा है और अगले चरण को लागू करने के लिए चीन के संपर्क में है। हम आपको बता दें कि सीपीईसी का उद्देश्य पाकिस्तान के बलूचिस्तान स्थित ग्वादर बंदरगाह को चीन के झिंजियांग प्रांत से जोड़ना है। भारत इस परियोजना पर आपत्ति जताता रहा है क्योंकि यह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से होकर गुजरती है। हम आपको यह भी बता दें कि कार्यवाहक प्रधानमंत्री के अलावा पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने भी भारत के खिलाफ अपने मन की नफरत का एक बार फिर प्रकटीकरण किया है। दरअसल ईरान पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि देश की पीठ में छुरा घोंपने वालों को करारा जवाब मिलेगा। इसके साथ ही उन्होंने कह डाला कि किसी को भी पाकिस्तान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। साथ ही मुनीर ने भारत के साथ किसी भी प्रकार की सुलह से इंकार करते हुए कहा है कि भारत ने पाकिस्तान के दृष्टिकोण को नहीं माना है, तो हम उसके साथ कैसे सुलह कर सकते हैं? बताया जा रहा है कि नई दिल्ली इन बयानों पर गौर कर रही है और समुचित जवाब दिया जायेगा।

फिलिस्तीनियों को लगा बड़ा झटका कोर्ट ने युद्ध रोकने से किया इनकार

गाजा (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीज लंबे समय से युद्ध चल रहा है। जिसको लेकर शांति के प्रयास किए जा रहे है। लेकिन सफलता नहीं मिल रही है

गाजा में इजरायल के हमले को लेकर इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस ने फैसला सुनाते हुए नरसंहार को रोकने का आदेश दिया है। दक्षिण अफ्रीका की याचिका पर कोर्ट ने यह आदेश दिया है। हालांकि इसे दक्षिण अफ्रीका के लिए भी झटका माना जा रहा है। आईसीजे ने सीजफायर को लेकर कोई भी आदेश नहीं दिया है जबकि दक्षिण अफ्रीका ने युद्धविराम की ही मांग की थी। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने इस मामले में सहमति नहीं जताई। यह बात फिलिस्तीनियों को भी निराश करने वाली है। बता दें कि दक्षिण अफ्रीका ने गाजा पट्टी में नरसंहार को लेकर अंतरराष्ट्रीय न्यायालय का रुख किया था। इसके बाद उसे कोलंबिया और ब्राजील का भी साथ मिला था। इस याचिका में कहा गया था कि इजरायल जिनेवा कन्वेंशन के तहत अपने कर्तव्यों का उल्लंघन कर रहा है। वह जो कर रहा है वह जिनेवा कन्वेंशन के तहत गलत है। इसके बाद कोलंबिया के विदेश मंत्रालय ने भी कहा कि दक्षिण अफ्रीका का मुकदमा एक साहसी कदम है। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासिलो लूला दा सिल्वा ने भी कहा कि इजरायल अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन कर रहा है।

आईसीजे ने इजरायल से कहा कि वह गाजा पट्टी में फिलिस्तीनियों का नरसंहार बंद कर दे और अब तक हमले में हुई मौतों का पूरा ब्यौरा दे। कोर्ट ने कहा कि इजरायल इस बात को सुनिश्चित करे कि उसकी सेना गाजा में नरसंहार ना करे और मानवीय स्थिति को देखते हुए सुधारवादी तरीके अपनाए। आईसीजे ने इजरायल से एक महीने के अंदर ही रिपोर्ट सौंपने को कहा है। आईसीजे में 17 जज इस मामले की सुनवाई कर रहे थे। इनमें से ज्यादातर ने कहा कि इरजाल को ऐसे प्रयास करने चाहिए जिससे कि फिलिस्तीनी लोगों को शारीरिक और मानसिक नुकसान ना हो। हालांकि बता दें कि यह आईसीजे का अंतिम फैसला नहीं है। वहीं बात करें आईसीजे के आदेशों को लागू करने की तो ऐसा कोई सिस्टम नहीं है जो कि इसे लागू करवा सके। ऐसे में कई बार अंतरराष्ट्रीय न्यायालय का फैसला केवल कागजों पर ही रह जाता है। बता दें कि गाजा में करीब 100 दिनों से अधिक समय से जंग जारी है। अब तक 26 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 60 हजार से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इनमें 9000 से ज्यादा बच्चे और 6500 से ज्यादा महिलाएं शामिल हैं। हमास के 7 अक्टूबर के हमलों के बाद गाजा में इजराइल हमले जारी हैं। हमास के 7 अक्टूबर के हमले में इजराइल में करीब 1200 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी।

चीन / ताइवानः सैन्य दबाव बनाने का प्रयास, 24 घंटे में भेजे 33 लड़ाकू विमान और युद्धपोत

बीजिंग (एजेंसी)। द्वीप के रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि चीन ने ताइवान की ओर 30 से अधिक युद्धक विमान और नौसेना जहाजों का एक समूह भेजा है। सैन्य दबाव उस घोषणा के बाद आया है जिसमें वरिष्ठ अमेरिकी और चीनी प्रतिनिधियों के थाई राजधानी में मिलने की उम्मीद थी क्योंकि दोनों देश तनाव को कम करना चाहते हैं। चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने शुक्रवार सुबह 6 बजे से शनिवार सुबह 6 बजे के बीच ताइवान के आसपास एसयू-30 लड़ाकू विमानों और छह नौसेना जहाजों सहित 33 विमान भेजे। इनमें से 13 युद्धक विमानों ने ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार किया। एक अनौपचारिक सीमा जिसे द्वीप और मुख्य भूमि के बीच एक बफर माना जाता है। ताइवान ने स्थिति पर नजर रखी है और गतिविधियों के जवाब में अपनी सेना को तैनात किया है। चीन स्व-शासित ताइवान को अपना क्षेत्र होने का दावा करता है और हाल के वर्षों में सैन्य विमान और जहाज भेजकर ताइवान में राजनीतिक गतिविधियों पर नाराजगी जताई है। ताइवान ने कहा कि स्व-शासित द्वीप द्वारा लाई चिंग-ते को नया राष्ट्रपति चुने जाने के कुछ दिनों बाद छह चीनी गुब्बारे या तो द्वीप के ऊपर से या उसके ठीक उत्तर में हवाई क्षेत्र से होकर उड़े। लाई की डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी ने बड़े पैमाने पर आत्मनिर्णय, सामाजिक न्याय और चीन की धमकियों को अस्वीकार करने पर अभियान चलाया। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन और चीनी विदेश मंत्री वांग यी दोनों बातचीत के लिए बैंकॉक में थे, हालांकि यह स्पष्ट नहीं था कि बैठक कब होगी या पहले ही हो चुकी है।

ट्रंप गुस्से में भरी अदालत से बाहर चले गए, इधर कोर्ट ने ठोक दिया 7 अरब का जुर्माना

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई बार अपने गुस्से के कारण अपना ही नुकसान कर लेते हैं। कुछ इसी तरह का गुस्सा न्यूयॉर्क सिटी जूरी में उन्होंने दिखा दिया और भरी अदालत से उठकर बाहर चले गए। इस पर अदालत ने बिना देरी के लगभग 7 अरब का रुपए का जुर्माना ट्रंप पर ठोक दिया।

ट्रंप को जुर्माने के तौर पर लेखिका ई जीन कैरोल को 83.3 मिलियन डॉलर (करीब 7 अरब रुपये) देने होंगे। पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ मानहानि के मुकदमे में न्यूयॉर्क सिटी जूरी ने यह फैसला सुनाया। बता दें कि कैरोल ने एले पत्रिका के लिए एक लंबे समय तक कॉलम लिखा। उन्होंने 2019 में छपी किताब में पहली बार आरोप लगाया था कि ट्रंप ने 1995 के अंत में या 1996 की शुरुआत में उनका बलात्कार किया था। यह घटना मैनहट्टन के एक लक्जरी डिपार्टमेंटल स्टोर के ड्रेसिंग रूम में हुई थी। ट्रंप ने इन आरोपों के जवाब में कहा था कि ऐसा कभी नहीं हो सकता था क्योंकि कैरोल मेरे टाइप की नहीं हैं। इसके बाद कैरोल ने ट्रंप के खिलाफ मानहानि का

मामला भी दायर किया था। इससे पहले कानून के तहत कैरोल को घटना को हुए कई वर्ष बीत जाने के कारण ट्रंप के खिलाफ बलात्कार का मुकदमा दायर करने से रोक दिया गया था।

जूरी ने अपने फैसले में कहा कि ट्रंप को कैरोल को उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के बदले यह रकम देनी होगी। इससे पहले ट्रंप अंतिम बहस के दौरान उस वक्त अदालत कक्ष से उठकर बाहर चले गए, जब लेखिका कैरोल के वकील ने निर्णायक मंडल से उनकी मुवक्किल को कम से कम 1.2 करोड़ डॉलर का हर्जाना दिलाए जाने की अपील की। कैरोल के वकील ने कहा कि ट्रंप ने अपने सार्वजनिक बयानों के माध्यम से उन्हें झूठा करार दिया। कैरोल के प्रति नफरत पैदा की, जिससे उनके सम्मान को हानि पहुंची है। मैनहटन संघीय अदालत में वकील रोबर्टा कपलान ने अपनी अंतिम दलीलें शुरू कीं। इसके कुछ ही मिनटों बाद ट्रंप अचानक बचाव पक्ष की तरफ की अपनी सीट से उठे और बाहर की ओर जाने लगे। वह खचाखच भरे अदालत कक्ष को देखने के लिए एक पल रुके और इसी दौरान खुफिया विभाग के सदस्य उनके पीछे की ओर जाने लगे। पूर्व राष्ट्रपति के अचानक चले जाने से जस्टिस लुईस ए कपलान को जिरह के बीच दखल देने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड में दिखाया जाएगा कि ट्रंप उठे और अदालत से बाहर चले गए। ट्रंप के बाहर जाने से कुछ ही वक्त पहले जूरी की अनुपस्थिति में न्यायाधीश ने ट्रंप की अधिवक्ता अलीना हब्बा को चेताया था। उन्होंने कहा कि दलीलें पूरी करने के बावजूद बार-बार टोकने पर वह उन्हें जेल भेज देंगी। जस्टिस ने हब्बा से कहा कि आप जेल में कुछ समय बिताने के कगार पर हैं। अब बैठ जाइए।

पाकिस्तान में चुनावः जेल से तीन महिलाएं, शरीफ परिवार के लिए खड़ी करेंगी बड़ी चुनौती

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में आठ फरवरी को आम चुनाव है। नेशनल असेंबली के इस चुनाव में 175 पार्टियां चुनावी मैदान में उतरी हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में निर्दलीय उम्मीदवार भी अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों से अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। कुछ वैसे भी उम्मीदवार हैं, जो जेल से चुनाव लड़ रहे हैं। इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ की तीन महिलाएं जेल से चुनाव लड़ रही हैं। ये तीनों शरीफ परिवार के खिलाफ चुनावी मैदान में उतरी हैं।

इमरान की पार्टी की नेता डॉ यास्मीन रशीद लाहौर नेशनल असेंबली-130 निर्वाचन क्षेत्र से नवाज शरीफ के खिलाफ चुनावी मैदान में उतरी हैं। दोनों के बीच कड़ी टक्कर होने की उम्मीद है. यह निर्वाचन क्षेत्र 1990 से पीएमएल-एन का गढ़ रहा है, जब नवाज शरीफ ने पहली बार सीट जीती थी। शरीफ ने 1993, 1997 और 2013 में यह सीट बरकरार रखी, जबकि उनकी पार्टी के उम्मीदवारों ने 2002 और 2008 में इस सीट पर जीत हासिल की। डॉ. यास्मीन रशीद 2013 से 2023 तक इस सीट से तीन बार दावेदार रहीं, हर बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा।पीएमएल-एन नेता हमजा शहबाज को नेशनल असेंबली-118 में सबसे मजबूत उम्मीदवार माना जाता है। मगर इस बार पीटीआई की आलिया हमजा मलिक से कड़ी टक्कर की उम्मीद है। हालांकि, 2018 के आम चुनावों में यह सीट पीएमएल-एन के खाते में गई थी। हमजा शहबाज ने पीटीआई के नौमान कैसर और टीएलपी की सुमैरा नौरीन के खिलाफ इस सीट को आसानी से जीत लिया था. बता दें कि आलिया 2018 में पंजाब से महिलाओं के लिए आरक्षित सीट पर पीटीआई के उम्मीदवार के रूप में पाकिस्तान की नेशनल असेंबली के लिए चुनी गई थीं। तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान ने उन्हें संघीय संसदीय सचिव भी नियुक्त किया था। जेल में बंद पीटीआई की महिला कार्यकर्ता सनम जावेद नेशनल असेंबली-119 से पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज की चीफ मरियम नवाज के खिलाफ मैदान में उतरेंगी। दोनों के बीच कड़े मुकाबले की उम्मीद है। बता दें कि 9 मई की घटनाओं को लेकर सनम जावेद सहित पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी की लगभग एक दर्जन से अधिक महिलाएं पिछले पांच महीने से अलग-अलग जेलों में बंद हैं।

अगले साल भारत में होंगे 2 विश्व कप, आईसीसी ने किया खुलासा

नई दिल्ली।

भारत में अगले साल दो विश्व कप होंगे। आईसीसी ने इस बात का खुलासा करके क्रिकेट प्रे मियों को खुश कर दिया है। हालांकि पिछले साल खेले गए आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में मिली भारतीय टीम की हार ने क्रिकेट फैंस का दिल तोड़ दिया था। हर किसी को इसी बात का अफसोस था कि आईसीसी ट्रॉफी को अपने घर पर जीतने का एक बेहतरीन मौका हाथ से निकल गया। लेकिन अब भारतीय फैंस के लिए आईसीसी की तरफ से अच्छी खबर सामने आई है। भारत में अगले साल एक नहीं बल्कि दो विश्व कप का आयोजन होगा। बता दें कि आईसीसी के अगले चार साल के इवेंट्स की लिस्ट सामने आ गई है। इसमें साल 2024 से 2027 के बीच होने वाले सभी आईसीसी इवेंट्स का शेड्यूल सामने आया है जिसमें भारत के पास दो आईसीसी विश्व कप की मेजबानी है। वहीं इंग्लैंड को ही आईसीसी ने अगले दो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल का आयोजन करने की जिम्मेदारी दे दी है। वहीं पाकिस्तान को अगले साल फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करनी है। आईसीसी के अगले चार साल के इवेंट्स लिस्ट पर ध्यान दें तो भारत के पास महिला विश्व कप की मेजबानी है। जानकारी के अनुसार अक्टूबर-नवंबर के बीच इस टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। इसी तरह 2026 में श्रीलंका के साथ मिलकर भारत पुरुष टी20 विश्व कप की मेजबानी भी करेगा। बताया जा रहा है कि अक्टूबर-नवंबर में ही इस टूर्नामेंट का भी आयोजन किया जाना निर्धारित है।

फाइव्स विश्व कप के फाइनल में पहुंची भारतीय महिला हॉकी टीम

मस्कट।

भारतीय महिला टीम फाइव्स विश्व कप के फाइनल में पहुंच गई है। टीम ने यहां दक्षिण अफ्रीका पर 6-3 की रोमांचक जीत दर्ज करते हुए एफआईएच हॉकी फाइव्स महिला विश्व कप के फाइनल में जगह बना ली है। बता दें कि फाइनल में रविवार को भारत का सामना नीदरलैंड से होगा। अक्षता अबासो ढेकाले (सातवें मिनट), मारियाना कुजूर (11वें), मुमताज खान (21वें), रुतुजा दादासो पिसल (23वें), ज्योति छत्री (25वें) और अजीमा कुजूर (26वें) ने शुक्रवार रात हुए सेमीफाइनल मुकाबले में भारत के लिए गोल दागे। दक्षिण अफ्रीका के लिए टेशॉन डी ला रे (5वें), कप्तान टोनी मार्क्स (8वें) और डिर्की चेम्बरलेन (29वें) ने गोल किए। दक्षिण अफ्रीका ने पहले हाफ में काफी डिफेंसिव शुरूआत की लेकिन गोल करने का पहला मौका भी उसे ही मिला। इधर भारतीय गोलकीपर रजनी इतिमारपु काफी सतर्क थी। लेकिन दक्षिण अफ्रीका की डी ला रे के करीबी रिवर्स शॉर्ट से टीम ने शुरूआत में बढ़त बना ली। लेकिन यह ज्यादा देर नहीं रह सकी और अक्षता दक्षिण अफ्रीका की गोलकीपर ग्रेस कोचरान को छकाते हुए भारत को 1-1 की बराबरी पर ला दिया।

टीम की कप्तान टोनी ने गोल कर दक्षिण अफ्रीका को फिर बढ़त दिला दी लेकिन मारियाना के गोल

से भारत फिर बराबरी पर था। दूसरे हाफ में दक्षिण अफ्रीका ने तेज शुरुआत की जिससे भारतीय गोलकीपर फिर से काफी सतर्क हो गयीं। मुमताज के गोल से भारत ने पहली बार मैच में बढ़त बनाई। फिर रुतुजा ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए गोल किया। दक्षिण अफ्रीका की कोशिशें जारी रहीं लेकिन उसे सफलता नहीं मिली। हालों कि खेल खत्म होने में 5 मिनट पहले ज्योति ने दक्षिण अफ्रीकी गोलकीपर को कोई मौका नहीं देते हुए गोल कर दिया। अजीमा ने गोल कर स्कोर 6-2 किया। जबे कि हूटर से एक मिनट पहले दक्षिण अफ्रीका के लिए चेम्बरलेन ने सांत्वना गोल किया।

संक्षिप्त समाचार

मेदवेदेव ने ज्वेरेव को हराया, तीसरी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में

मेलबर्न। दानिल मेदवेदेव ने नाटकीय वापसी कर अलेक्जेंडर ज्वेरेव को दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में हराकर तीसरी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में प्रवेश किया। मेलबर्न पार्क में अपनी 27वीं मैच जीत के साथ, मेदवेदेव ओपन युग में तीन या अधिक मौकों पर ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंचने वाले 13वें व्यक्ति हैं, 2021 और 2022 में हार गए थे, उस उन्होंने राफेल नडाल से दो सेटों से बढ़त बनाई थी। शुरुआत में स्क्रिप्ट ने ज्वेरेव का पक्ष लिया, जिन्होंने पहले सेट में डबल ब्रेक के साथ 4-1 की बढ़त बना ली, जिससे कहानी तय होती दिख रही थी। हालांकि, भीषण मैचों की शारीरिक मार से परेशान मेदवेदेव ने जर्मन प्रभुत्व के आगे झुकने से इंकार किया। जैसे ही दूसरा सेट शुरू हुआ, ज्वेरेव ने अपनी बढ़त जारी रखी, 2-2 पर ब्रेक हासिल किया और 4-2 से आगे बढ़ने के लिए अपना फायदा मजबूत किया। अपने लक्ष्य में अडिग ज्वेरेव न क्लिनिकल परिशुद्धता के साथ सेट को बंद कर दिया, जिससे मेदवेदेव को चढ़ने के लिए एक पहाड़ छोड़ना पड़ा। बिना किसी डर के, रूसी ने सेट के अंत में एक रणनीतिक बाथरूम ब्रेक लिया, और एक नए जोश के साथ उभरे जिसने शारीरिक नुकसान को झुठला दिया। तीसरा सेट एक रोमांचक लड़ाई के रूप में सामने आया, जिसमें दोनों खिलाड़ी एक-दूसरे से शॉट दर शॉट मैच कर रहे थे। सेट का समापन टाई-ब्रेक में हुआ, जो समानता पर आधारित लड़ाई का एक उपयुक्त निष्कर्ष था। मेदवेदेव, 3-1 से हार के कगार पर लग रहे थे, उन्होंने उस क्षण का फायदा उठाया जब ज्वेरेव के खेल में दरारें दिखाई दीं। अटूट फोकस के साथ, उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी की त्रुटियों का फायदा उठाया और सभी बाधाओं के बावजूद चौथे सेट में जीत हासिल की।

शुभमन गिल के आउट होने के कारण गावस्कर ने की खिंचाई

हैदराबाद। भारत बनाम इंग्लैंड टेस्ट सीरीज़ के शुरुआती मैच में आउट होने को लेकर शुभमन गिल को सुनील गावस्कर की तीखी आलोचना का सहना पड़ा है। इसके साथ ही गावस्कर ने राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में पहले टेस्ट के दौरान गिल के प्रदर्शन पर निराशा व्यक्त की है। गौरतलब है कि शुभमन गिल ने जायसवाल के साथ मिलकर सधी हुई शुरुआत तो की थी, लेकिन जैसे-जैसे समय बीता उन्होंने सतर्कता खो दी और उन्होंने अपना विकेट गंवा दिया। दरअसल इंग्लैंड के हार्टले ने गिल के पैड पर धीमी गेंद फेंकी, इस पर गिल ने छक्का मारने की कोशिश की और वो बुरी तरह चूक गए। मिडविकेट पर मौजूद फील्डर ने आसान गेंद को पकड़ लिया। यहां गावस्कर ने कमेंट्री करते हुए निराशा व्यक्त की और गिल के शॉट चयन के पीछे के तर्क पर सवाल भी उठाए। उन्होंने कहा कि वह गिल उस शॉट से क्या प्रयास कर रहा था? अगर उसका लक्ष्य इसे हवा में मारना था तो यह समझ में आता। बल्कि यह एक खराब तरीके से खेला गया ऑन-ड्राइव था। इस तरह गावस्कर ने शुभमन के आउट होने पर ही सवाल खड़े कर उनकी खिंचाई कर दी। जहां तक मुकाबले की बात है तो हैदराबाद के मैदान पर खेले जा रहे पहले टेस्ट के दूसरे दिन टीम इंडिया मजबूत स्थिति में है।

रिदम, उज्जवल ने मिश्रित टीम पिस्टल स्वर्ण जीता

नई दिल्ली,

भारत ने मिस्र के काहिरा में अंतर्राष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन चरण में अपना पहला स्वर्ण जीता, जब रिदम सांगवान और उज्जवल ने मिलकर अर्मेनियाई जोड़ी एल्मिरा करापेटियन-बेनिक खलघटयान को शनिवार को मिस्र अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक सिटी शूटिंग रेंज में प्रतियोगिता के दूसरे दिन 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा के स्वर्ण पदक मैच में 17-7 से हरा दिया। इससे पहले, अर्जुन बाबुता और सोनम उत्तम मस्कर ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता, क्योंकि भारत ने दिन का अंत एक स्वर्ण और दो रजत पदक के साथ किया। अनुराधा देवी ने शुक्रवार शाम महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में रजत पदक के साथ टीम का खाता खोला था। रिदम, जिन्होंने काहिरा में लगातार दूसरा विश्व कप मिश्रित टीम स्वर्ण जीता, और उज्जवल 580 के कुल स्कोर के साथ क्वालीफाइंग में अर्मेनियाई जोड़ी के बाद दूसरे स्थान पर रहे। अर्मेनियाई जोड़ी एक अंक आगे थी। हालांकि, भारतीय फाइनल में बहुत बेहतर साबित हुए, बहुत तेज़ी से 7-1 से आगे हो गए क्योंकि बेनिक का फ़ाइनल बहुत ही खराब रहा। जब स्कोर 11-7 था तब अर्मेनियाई लोग सबसे करीब थे, लेकिन बाद के चरणों में रिदम में तेजी आई और चारों ओर कम स्कोर के बावजूद, भारतीय अंत में 17-7 से आगे रहे। एयर राइफल मिश्रित टीम में, अर्जुन और सोनम ने क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया था, उन्होंने डीन बेल और सियोनैड मैकिंटोश की ब्रिटिश जोड़ी को एक अंक से पछाड़ दिया था, लेकिन फिर दौड़ की शुरुआत में 16 अंकों के फाइनल में 3-9 हो गया। जल्द ही स्कोर 6-12 हो गया, क्योंकि भारतीय जो कुछ भी ब्रिटिश जोड़ी पर फेंकते थे, वे उसी रूप में वापस आते थे। लेकिन जब डीन ने घबराहट और अनुभवहीनता दिखाई तो अर्जुन और सोनम ने संयम बनाए रखा और जल्द ही स्कोर 14-14 हो गया। मैच प्वाइंट पर, मैकिंटोश ने अपना क्लास दिखाया और 10.9 का स्कोर किया और भारतीयों के ठोस 10 के बावजूद, ब्रिटिश जोड़ी ने स्वर्ण पदक छीन लिया। हालांकि, कोई भी भारतीय निशानेबाज शॉटगन रेंज में ट्रैप शूटिंग के फाइनल में जगह बनाने में सक्षम नहीं था।

जोरावर संधू 118 के स्कोर के साथ पुरुष ट्रैप में 12वें स्थान पर रहे, जबकि भवनीश मेंदीरत्ता (114) और पृथ्वीराज टोंडिमन (112) और पीछे रहे। महिलाओं के ट्रैप में राजेश्वरी कुमारी 110 के स्कोर के साथ 13वें स्थान पर रहीं जबकि मनीषा कीर (109) और भाव्या त्रिपाठी (106) क्रमशः 15वें और 18वें स्थान पर रहीं।

अनिल कुंबले ने भी बताई शुभमन गिल की बल्लेबाजी में बड़ी खामी

हैदराबाद।

पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले ने शुभमन गिल की बल्लेबाजी तकनीक में बड़ी खामी बताई है। बता दें कि इंग्लैंड के खिलाफ हैदराबाद में चल रहे पहले टेस्ट के दौरान युवा प्लेयर शुभमन गिल की बल्लेबाजी को लेकर बात हुई है। इससे पहले पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर भी शुभमन की पहली पारी में खेले गए शॉट को लेकर कमी बता चुके हैं। शुभमन टेस्ट में अपनी फॉर्म को लेकर निशाने पर हैं। उन्होंने मार्च 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी शतक लगाया था। इसके बाद वह 10 पारियों में एक भी अर्धशतक लगा नहीं पाए हैं। बहरहाल दूसरे दिन लंच ब्रेक के दौरान बोलते हुए कुंबले ने गिल को स्पिनरों का सामना करते समय स्ट्राइक रोटेट करने की अपनी क्षमता बढ़ाने को कहा। वहीं अ निल कुंबले ने चेतेश्वर पुजारा और राहुल द्रविड़ के दृष्टिकोण के साथ समानताएं बताई, जो लगातार इस नंबर पर खेले हैं। उन्होंने गिल से स्पिन के खिलाफ खेलते समय नरम रुख अपनाने का आग्रह किया। कुंबले बोले कि इस नंबर पर दबाव बढ़ता है। स्ट्राइक रोटेट करने में संघर्ष करना पड़ता है लेकिन इसे सीखना बहुत ही महत्वपूर्ण है।

अनिल कुंबले ने कहा कि हमारे बीच पुजारा और द्रविड़ है जोकि इस नंबर पर फिट रहे हैं। उन्हें स्ट्राइक रोटेट करने में महारत हासिल करनी होगी। मुलायम हाथों से स्पिन खेलना और कलाई का उपयोग करना जरूरी है। जो खेल की जरूरत है।

कल, जब वह बल्लेबाजी के लिए आए थे तो उन्होंने अपना समय लिया था। लेकिन टिकने के बाद उन्हें फिर से चुनौतियों का सामना करना पड़ा। वह टर्न के खिलाफ रिलीज़ शॉट खेलने के प्रयास में फंस गए। मेरी राय में यह एक आदर्श शॉट नहीं था। इससे पहले गावस्कर ने भी कमेंट्री में निराशा व्यक्त करते हुए गिल के शॉट चयन के पीछे के तर्क पर सवाल उठाया था।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराया

केप टाउन ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने दक्षिण अफ्रीका दौरे पर अपना अजेय क्रम जारी रख मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3-0 की सनसनीखेज जीत दर्ज की। मैच में भारत के कप्तान हरमनप्रीत सिंह (2), अभिषेक (13) और सुमित (30) ने टीम की जीत तय की। मैच की शुरुआत भारत को शुरुआती पेनल्टी कॉर्नर मिलने से हुई और कप्तान हरमनप्रीत ने दूसरे मिनट में नेट के पीछे से एक शक्तिशाली ड्रैग फ्लिक मारकर भारत को शुरुआती बढ़त दिला दी। पहले क्वार्टर में कुछ ही मिनट शेष थे, अभिषेक (13) ने आक्रामक कदम का भरपूर फायदा उठाया और दक्षिण अफ्रीका के गोलकीपर को छकाकर भारत की बढ़त

दोगुनी कर दी। दूसरे क्वार्टर में दक्षिण अफ्रीका के कई हमलों के बावजूद भारत की रक्षापंक्ति ने संयम बनाए रखा और क्लीनशीट हासिल करने के अपने दृढ़ संकल्प पर कायम रही। मध्यांतर के तुरंत बाद सुमित (30) एक और फील्ड गोल करने में सफल रहे और भारत ने 3-0 की बढ़त ले ली। मध्यांतर के बाद दक्षिण अफ्रीका ने गोल करने में तेजी दिखानी शुरू कर दी, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने किले पर पकड़ बनाए रखी। तीसरे क्वार्टर में दोनों छोर पर काफी गतिविधियां देखने को मिलीं, लेकिन दोनों में से कोई भी टीम नेट हासिल करने में सफल नहीं हो सकी।

तन्मय ने सबसे तेज तिहरा शतक ठोककर तोड़ दिए कई रिकॉर्ड

नई दिल्ली ।

भारतीय बल्लेबाजों का दुनियाभर में सिक्का चलता है। विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी बैटर कोई ना कोई रिकॉर्ड अपने नाम करते रहते हैं। उनके पीछे से अब युवाओं की फौज तैयार हो रही है, जो इंटरनेशनल क्रिकेट में धमाका करने को बेताब दिख रही है। मौजूदा रणजी ट्रॉफी के मुकाबले में शुक्रवार 26 जनवरी को ऐसी ही पारी देखने को मिली जिसने वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ डाला। तन्मय अग्रवाल दुनिया में सबसे तेज तिहरा शतक बनाने वाले बल्लेबाज बने हैं। छक्कों चौकों की बौछार करते हुए तन्मय ने कई दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया। रणजी ट्रॉफी में 26 जनवरी 2024 खेला गया अरुणाचल प्रदेश और हैदराबाद के बीच का मुकाबला इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया है। एक दिन के खेल में ही तन्मय ने धुंआधार अंदाज में गेंदबाजों की धुनाई कर ट्रिपल सेंचुरी जमा दी। इस धमाकेदार तिहरा शतक को जमाकर तन्मय ने वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। महज 147 गेंद पर 21 छक्के और 33 चौकों की मदद से इस बैटर ने 323 रन ठोक दिए। 28 साल के तन्मय का जन्म आंध्र प्रदेश में तीन मई 1995 को हुआ था। क्रिकेट की तरफ छोटी उम्र में ही रुझान पैदा होने पर माता पिता ने उन्हें खेल की ओर बढ़ाया। तन्मय की धमाकेदार खेल की नतीजा था कि उन्होंने हैदराबाद अंडर-14 टीम में जगह बनाई। अंडर-16, अंडर-19, अंडर-22 और अंडर-25 में टीम में वह जगह बनाने में कामयाब हुए। साल 2014 में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू का मौका मिला। इंडियन प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी टीम सनराइजर्स हैदराबाद की टीम में भी तन्मय ने जगह बनाई। 56 फर्स्ट क्लास मैचों में 3500 से अधिक रन बनाए हैं। तन्मय ने साउथ अफ्रीका के मार्को माराइस 191 रन पर बनाए तिहरे शतक के रिकॉर्ड को 147 रन पर बनाकर तोड़ डाला। इस कारनामे को वेस्टइंडीज के महान बैटर विव रिचर्ड्स ने 244 गेंद पर अंजाम दिया था। एक दिन में 300 रन बनाकर तन्मय ने वीरेंद्र सहवाग को भी पीछे छोड़ दिया। 2009 में उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ ब्रेबॉर्न टेस्ट में एक दिन में 284 रन बनाए थे।

जानिक सिनर से मिली हार पर जोकोविच ने स्वीकारा उनका प्रदर्शन खराब रहा

मेलबर्न ।

मेलबर्न में 10 बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 के सेमीफाइनल में इटालियन खिलाड़ी जानिक सिनर से मिली हार को अब तक के सबसे खराब ग्रैंड स्लैम मैचों में से एक करार दिया है। सिनर, 22 साल की उम्र में 2008 के बाद से मेलबर्न पार्क में फाइनल में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति हैं, उन्होंने रॉड लेवर एरेना में शानदार जीत दर्ज की, जिससे जोकोविच का मेलबर्न में 33- मैच जीतने का सिलसिला टूट गया और 2018 के बाद से उन्हें अपनी पहली ऑस्ट्रेलियन ओपन हार मिली।

जोकोविच ने खुद पर युवा दावेदार को हावी पाया और उन्हें मात झेलनी पड़ी। सर्बियाई उस्ताद, जो कोर्ट पर अपने प्रभुत्व के लिए जाना जाता है, स्पष्ट रूप से निराश था क्योंकि वह अपनी लय हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहा था और उसने अस्वाभाविक 54 बेजां भूलें कीं।

जोकोविच ने अपने प्रदर्शन की पूरी ईमानदारी से आलोचना कर कहा, मैं अपने स्तर से बुरी तरह हैरान था। अपनी सामान्य प्रतिभा और उस दुर्भाग्यपूर्ण दिन के फीके प्रदर्शन के बीच स्पष्ट अंतर को स्वीकार करते हुए, उन्होंने स्वीकार किया, पहले दो सेटों में मैं बहुत कुछ सही नहीं कर रहा था। यह मेरे द्वारा खेले गए अब तक के सबसे खराब ग्रैंड स्लैम मैचों में से एक था, कम से कम मुझे यहीं याद है। (यह) इस तरह से खेलना बहुत सुखद एहसास नहीं था। खेल के हर पहलू में मुझसे बेहतर प्रदर्शन करने का श्रेय उन्हें जाता है। मैंने कोशिश की, मैंने संघर्ष किया। मैं तीसरे सेट में स्तर को थोड़ा ऊपर उठाने में कामयाब रहा, एक मैच प्वाइंट बचाया और एक अच्छा टाई-ब्रेक खेला। जोकोविच ने कहा, मेरे टेनिस का प्रदर्शन स्तर वास्तव में अच्छा नहीं था। जोकोविच ने स्वीकार किया, पूरे टूर्नामेंट में मैं वास्तव में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के करीब भी नहीं खेल पाया।

हो सकता है कि (एड्रियन) मन्नारिनो के खिलाफ, मैं बहुत अच्छा था, लेकिन ज्यादातर मैचों में मैं उसके बराबर नहीं खेल रहा था [तुलना में] जैसा कि मैं यहां ऑस्ट्रेलिया में आम तौर पर खेलता हूं। इससे मुझे आश्चर्य हुआ क्योंकि मैंने सोचा था कि पहले दो सेटों में यह उतना बुरा नहीं होगा।

लेकिन दूसरी ओर, इस टूर्नामेंट के दौरान मुझे ऐसा महसूस नहीं हुआ कि मैं कोर्ट पर हूं। करारी हार के बावजूद, जोकोविच ने उम्र की किसी भी धारणा को तेजी से दूर कर दिया। 36 साल की उम्र में, वह ग्रैंड स्लैम और ओलंपिक सहित भविष्य के टूर्नामेंटों के लिए उच्च उम्मीदें व्यक्त करते हुए दृढ़ बने रहे।

रहाणे को दोस्त ने ही दे दिया गच्चा....जारी है खराब प्रदर्शन

मुंबई । मुंबई और उत्तर प्रदेश के बीच रणजी ट्रॉफी 2024 का मुकाबला वानखेड़े स्टेडियम में खेला जा रहा है। यूपी के कप्तान नीतीश राणा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। टीम इंडिया के स्टार गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की यूपी की टीम ने मुंबई को पहले दिन ही ढेर कर दिया। पहले दिन कप्तान अजिंक्य रहाणे सहित उनके टॉप के बल्लेबाज फ्लॉप रहे। साल 2024 रहाणे के लिए बिलकुल सही है। पहले ही वह टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। वहीं रणजी ट्रॉफी की पिछली चार पारियों में वह सिर्फ 24 रन ही बना सके हैं। मुंबई के कप्तान रहाणे रणजी ट्रॉफी के लगातार तीसरे मैच में रन बनाने को तरस गए। आंध्र के खिलाफ मुकाबले में रहाणे पहली ही गेंद पर बिना खाता खोले लौटे थे। वहीं केरल के खिलाफ पहली पारी में शून्य और दूसरी पारी में 16 रन बनाकर आउट हुए। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे रहाणे 29 गेंद में एक चौके की मदद से सिर्फ 8 रन ही बना सके। उन्हें अंकित राजपूत ने शिवम शर्मा के हाथों कैच आउट कराया। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में वापसी के बाद ही भुवनेश्वर कुमार लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। बंगाल के खिलाफ मुकाबले में भुवी ने 41 रन देकर आठ विकेट झटके।

आईपीएल के स्टार खिलाड़ी को बाहर रखने पर गहराया विवाद

नई दिल्ली ।

इंडियन प्रीमियर लीग से स्टार खिलाड़ी के खराब प्रदर्शन की वजह से बाहर रखने को लेकर विवाद खड़ा हो गया। खराब फॉर्म से जूझ रहे उसके सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज आयुष बडोनी को कद्दावर अधिकारियों के कहने पर टीम होटल में ही रूकने को कहा गया। वे इस 'आईपीएल स्टार' को सबक सिखाना चाहते थे। इस सत्र में अब तक पांच पारियों में से तीन बार दिल्ली की टीम 200 रन भी पार नहीं कर सकी। सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर 49 रन रहा जो पिछले मैच में वैभव कांडपाल ने बनाया। मैच में पहले दिन यश ढुल ने 47 रन बनाए। पहले दिन का खेल खत्म होने पर उत्तराखंड के चार विकेट 98 रन पर गिर चुके थे। नवदीप सैनी ने तीन विकेट लिए। डीडीसीए के सीनियर अधिकारी ने बताया, क्षितिज को खिलाने और बडोनी को 15 से बाहर रखने का दबाव था ताकि उस बीसीसीआई से मैच फीस भी नहीं मिल सके। 15 खिलाड़ियों को ही मैच फीस मिलती है। चूंकि उसे खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों के क्षेत्र में जाने की अनुमति नहीं थी, तब उस होटल में ही रखा गया। जब वह वीआईपी दीर्घा से मैच देख सकते थे, तब उन्हें मैदान में क्यों नहीं लाया गया, यह पूछने पर अधिकारी ने कहा, टीम मैनेजर को उसके खाने का इंतजाम करना पड़ता क्योंकि बीसीसीआई इसके पैसे नहीं देता। यह नेट पर भी नहीं जा सकता था क्योंकि पंजाब सीए का शिविर चल रहा था। ऐसा भी माना जा रहा है कि आईपीएल के दो सत्र के बाद बडोनी का फोकस नहीं रह गया है और उन्हें सबक सिखाने के लिये टीम होटल में ही रखा गया।

बच्चें का पसंदीदा खिलौना तकिया

बच्चों का बचपन एक ऐसा समय होता है जिसमें मां-बाप को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ती। किसी भी मां के लिए सबसे कठिन काम होता है बच्चों को सुलाना। ऐसे में अगर बच्चों को उनका सबसे पसंदीदा खिलौना तकिया दे दिया जाए तो आपका आधा काम वैसे ही हो जाता है। क्योंकि तकिये के साथ खेलते-खेलते नींद के आगोश में चले जाना कोई बड़ी बात नहीं। चैन की नींद तो किसी को भी आ जाए, उसकी सारी थकान मिट जाती है। ऐसे में जरूरी है कि आप उनकी पसंद-नापसंद को जानें क्योंकि यदि उनके रूम की सजावट में रंगों एवं पेंटिंग्स का ध्यान रखा गया है तो उनके तकिए और बैडशीट में भी बेबी प्रिंट एवं कलर्स होना बहुत जरूरी है।

सहारा देकर बैठाने को तकिया

बाजार में इस प्रकार के तकिए भी उपलब्ध हैं जिनके दोनों ओर बाजू लगे हों तथा बैठना सीख रहे बच्चों को उसके साथ बैठा कर साइड बाजू का सहारा दिया जाए या फिर उन्हें बंद कर दिया जाए ताकि वे बैठे-बैठे आगे को लुढ़क न पाएं।

नवजात शिशुओं के लिए तकिया

वे दिन गए जब दादी-नानी नवजात शिशु के लिए स्वयं एक खास तकिया बनाती थीं। आजकल तो नन्हे बच्चों के लिए टैडी और फ्लावर वाले तकिए से लेकर उसके सिर को सहारा देने तक के लिए तकिए बाजार में उपलब्ध हैं। इससे उसका सिर इधर-उधर नहीं होता और एक स्थान पर टिका रहता है।

विभिन्न रंगो में उपलब्ध

टैडी, लॉयन, मगरमच्छ, डॉग, रैबिट, फिश एवं फ्लोरल शेप में ये तकिए सॉफ्ट टॉयज के अलावा प्रिंट्स, इंब्रायडरी एवं पैच वर्क में भी उपलब्ध हैं। इसके अलावा इनके ब्राइट कलर्स भी बच्चों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

कई वैरायटी में मौजूद

इस बिजनैस से जुड़े लोगों की यदि मानें तो बच्चों के तकिए भी विभिन्न प्रकार के मैटीरियल से बने होते हैं जैसे-

फॉम का तकिया

फॉम के बारीक-बारीक टुकड़ों से भी तकिया बनता है। इस प्रकार के तकिए भी बाजार में बहुत बिकते हैं।

रेक्रान के तकिए

बच्चों के तकियों में सबसे ज्यादा रेक्रान के तकिए बिकते हैं। यह सबसे कोमल व नरम तकिया होता है। साथ ही वजन में बहुत हल्का व आरामदायक होने के कारण यह सबसे ज्यादा बिकता है।

काली रूई के तकिए

काली रूई वेस्ट मैटीरियल से बनती है। वेस्ट मैटीरियल को मशीनों में कई प्रक्रियाओं से गुजारकर सॉफ्ट बनाया जाता है। इस रूई से तकिया व गादियां दोनों बनाए जाते हैं।

बच्चों के मूड को फ्रेश करता है कम्प्यूटर गेम

अक्सर पैरेंट्स को यह शिकायत होती है कि उनके बच्चे कम्प्यूटर गेम में अपना काफी समय बर्बाद करते हैं। पर क्या इसे समय की बर्बादी कहना सही है? पैरेंट्स तो यही कहेंगे कि हां! इन गेम्स का कोई लाभ नहीं बल्कि ये दिमाग पर बुरा असर डालते हैं लेकिन क्या यह सोच सही है?

कम्प्यूटर गेम खेलने से बच्चों में सीखने की क्षमता बढ़ती है। इससे हौसले बढ़ते हैं और उनमें नई-नई चीजों के प्रति दिलचस्पी जगती है। यह सच है कि गेम की दुनिया में वर्ल्ड ऑफ वार क्राफ्ट, एक्स बॉक्सेज, प्ले स्टेशन, विस और रन स्केप जैसे गेम्स को मेंटल डिसऑर्डर पैदा करने वाला पाया गया है। इसी तरह कुछ गेम बच्चों में हिसक और गुस्सैल प्रवृत्ति को विकसित करते हैं लेकिन इधर हुए कई शोधों का आकलन है कि कुछ चुनिदा गेम्स को छोड़ दें तो यह मानना सही होगा कि इनसे पर्सनालिटी डेवलपमेंट में काफी मदद मिलती है। इससे बच्चों का न केवल भावनात्मक विकास होता है बल्कि उनमें मैनेजमेंट स्किल से लेकर टीम वर्क की भावना तक विकसित होती है।

यह स्किल उन्हें तमाम समस्याओं से निपटने में मदद करती है। मूड भी फ्रेश ही रखता है। इनके जरिये बोरियत और तनाव से भी बचा जा सकता है। वहीं इससे हौसले बढ़ते हैं और उनमें नई-नई चीजों के प्रति दिलचस्पी जगती है। साथ ही, उनमें आजादी की भावना पैदा होती है और वे समाज से अपना जुड़ाव भी गहराई से महसूस करते हैं।

अकबर को बीरबल का जवाब

एक दिन बादशाह अकबर ने ऐलान किया कि जो भी मेरे सवालों का सही जवाब उदाहरण सहित देगा, उसे भारी इनाम दिया जाएगा। सवाल कुछ इस प्रकार से थे-

ऐसा क्या है जो आज भी है और कल भी रहेगा? ऐसा क्या है जो आज भी नहीं है और कल भी नहीं होगा? ऐसा क्या है जो आज तो है लेकिन कल नहीं होगा?

किसी को भी चतुराई भरे इन तीनों सवालों का जवाब नहीं सूझ रहा था। तभी बीरबल बोला, 'हुजूर! आपके सवालों का जवाब मैं दे सकता हूं, लेकिन इसके लिए आपको मेरे साथ शहर का दौरा करना होगा। तभी आपके सवाल सही ढंग से हल हो पाएंगे।'

अकबर और बीरबल ने वेश बदला और सूफियों का बाना पहनकर निकल पड़े। कुछ ही देर बाद वे बाजार में खड़े थे। फिर दोनों एक दुकान में घुस गए।

बीरबल ने दुकानदार से कहा, 'हमें बच्चों की पढ़ाई के लिए मदरसा बनाना है, तुम हमें इसके लिए हजार रूपये दे दो।' जब दुकानदार ने अपने मुनीम से कहा कि इन्हें एक हजार रूपये दे दो तो बीरबल बोला, जब मैं तुमसे रूपये ले रहा हूंगा तो तुम्हारे सिर पर जूता मारूंगा। हर एक रूपये के पीछे एक जूता पड़ेगा। बोलो, तैयार हो?

यह सुनते ही दुकानदार के नौकर का पारा चढ़ गया और वह बीरबल से दो-दो हाथ करने के लिए आगे बढ़ा। लेकिन दुकानदार ने नौकर को शांत करते हुए कहा, 'मैं तैयार हूं लेकिन मेरी एक शर्त है। मुझे विश्वास दिलाना होगा कि मेरा पैसा इसी नेक काम पर खर्च होगा।

ऐसा कहते हुए दुकानदार ने सिर झुका दिया और बीरबल से बोला कि जूता मारना शुरू करें। तब बीरबल और अकबर बिना कुछ कहे-सुने दुकान से बाहर निकल आए। दोनों चुपचाप चले जा रहे थे तभी बीरबल ने मौन तोड़ा, 'बंदापरवर! दुकान में जो कुछ हुआ, उसका मतलब है कि दुकानदार के पास आज पैसा है और उस पैसे को नेक कार्यों में लगाने की नीयत भी, जो उसे भविष्य में नाम देगी।

इसका एक मतलब यह भी है कि अपने नेक कार्यों से वह जन्नत में अपनी जगह पक्की कर लेगा। आप इसे यूं भी कह सकते हैं कि जो कुछ उसके पास आज है, कल भी उसके साथ रहेगा। यह आपके पहले सवाल का जवाब है।

फिर वे चलते हुए एक भिखारी के पास पहुंचे। उन्होंने देखा कि एक आदमी उसे कुछ खाने को दे रहा है और वह खाने का सामान उस भिखारी की जरूरत से कहीं ज्यादा है। तब बीरबल उस भिखारी से बोला, 'हम भूखे हैं, कुछ हमें भी दे दो खाने को।

यह सुनकर भिखारी बरस पड़ा, 'भागो यहां से। जाने कहां से आ जाते हैं मांगने।'

तब बीरबल बादशाह से बोला, 'यह रहा हुजूर आपके दूसरे सवाल का जवाब। यह भिखारी ईश्वर को खुश करना नहीं जानता। इसका मतलब यह है कि जो कुछ इसके पास आज है, वह कल नहीं रहेगा।'

दोनों फिर आगे बढ़ गए। उन्होंने देखा कि एक तपस्वी पेड़ के नीचे तपस्या कर रहा है। बीरबल ने पास जाकर उसके सामने कुछ पैसे रखे। तब वह तपस्वी बोला, 'इसे हटाओ यहां से। मेरे लिए यह बेईमानी से प्राप्त पैसा है। ऐसा पैसा मुझे नहीं चाहिए।'

अब बीरबल बोला, 'हुजूर! इसका मतलब यह हुआ कि अभी तो नहीं है लेकिन बाद में हो सकता है। आज यह तपस्वी सभी सुखों को नकार रहा है। लेकिन कल यही सब सुख इसके पास होंगे।'

और हुजूर! चौथी मिसाल आप खुद हैं। पिछले जन्म में आपने शुभ कर्म किए थे जो यह जीवन आप शानो-शौकत के साथ बिता रहे हैं, किसी चीज की कोई कमी नहीं। यदि आपने इसी तरह ईमानदारी और न्यायप्रियता से राज करना जारी रखा तो कोई कारण नहीं कि यह सबकुछ कल भी आपके पास न हो। लेकिन यह न भूलें कि यदि आप राह भटक गए तो कुछ साथ नहीं रहेगा।'

अपने सवालों के बुद्धिमत्तापूर्ण चतुराई भरे जवाब सुनकर बादशाह अकबर बेहद खुश हुए।

बाल कहानी ईमानदारी

विक्की अपने स्कूल में होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह को ले कर बहुत उत्साहित था। वह भी परेड में हिस्सा ले रहा था।

दूसरे दिन वह एकदम सुबह जग गया लेकिन घर में अजीब सी शांति थी। वह दादी के कमरे में गया, लेकिन वह दिखाई नहीं पड़ी।

माँ, दादीजी कहाँ हैं? उसने पूछा।

रात को वह बहुत बीमार हो गई थीं। तुम्हारे पिताजी उन्हें अस्पताल ले गए थे, वह अभी वहीं हैं उनकी हालत काफी खराब है।

विक्की एकाएक उदास हो गया।

उसकी माँ ने पूछा, क्या तुम मेरे साथ दादी जी को देखने चलोगे? चार बजे मैं अस्पताल जा रही हूँ।

विक्की अपनी दादी को बहुत प्यार करता था। उसने तुरंत कहा, हाँ, मैं आप के साथ चलूँगा। वह स्कूल और स्वतंत्रता दिवस के समारोह के बारे में सब कुछ भूल गया।

स्कूल में स्वतंत्रता दिवस समारोह बहुत अच्छी तरह संपन्न हो गया। लेकिन प्राचार्य खुश नहीं थे। उन्होंने ध्यान दिया कि बहुत से छात्र आज अनुपस्थित हैं।

उन्होंने दूसरे दिन सभी अध्यापकों को बुलाया और कहा, मुझे उन विद्यार्थियों के नामों की सूची चाहिए जो समारोह के दिन अनुपस्थित थे।

आधे घंटे के अंदर सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों की सूची उन की मेज पर थी। कक्षा छे की सूची बहुत लंबी थी। अतः वह पहले उसी तरफ मुड़े।

जैसे ही उन्होंने कक्षा छे में कदम रखे, वहाँ चुप्पी सी छा गई। उन्होंने कठारेतापूर्वक कहा, मैंने परसों क्या कहा था?

यही कि हम सब को स्वतंत्रता दिवस समारोह में उपस्थित होना चाहिए, गोलमटोल उषा ने जवाब दिया।

तब बहुत सारे बच्चे अनुपस्थित क्यों थे? उन्होंने नामों की सूची हवा में हिलाते हुए पूछा।

फिर उन्होंने अनुपस्थित हुए विद्यार्थियों के नाम पुकारे, उन्हें डाँटा और अपने डंडे से उनकी हथेलियों पर मार लगाई।

अगर तुम लोग राष्ट्रीय समारोह के प्रति इतने लापरवाह हो तो इसका मतलब यही है कि तुम लोगों को अपनी मातृभूमि से प्यार नहीं है। अगली बार अगर ऐसा हुआ तो मैं तुम सबके नाम स्कूल के रजिस्टर से काट दूँगा।

इतना कह कर वह जाने के लिए मुड़े तभी विक्की आ कर उन के सामने खड़ा हो गया।

क्या बात है?

महोदय, विक्की भयभीत पर दृढ़ था, मैं भी स्वतंत्रता दिवस समारोह में अनुपस्थित था, पर आप ने मेरा नाम नहीं पुकारा। कहते हुए विक्की ने अपनी हथेलियाँ प्राचार्य महोदय के सामने फैला दी।

सारी कक्षा साँस रोक कर उसे देख रही थी।

प्राचार्य कई क्षणों तक उसे देखते रहे। उनका कठोर चेहरा नर्म हो गया और उन के स्वर में क्रोध गायब हो गया।

तुम सजा के हकदार नहीं हो, क्योंकि तुम में सच्चाई कहने की हिम्मत है। मैं तुम से कारण नहीं पूछूँगा, लेकिन तुम्हें वचन देना होगा कि अगली बार राष्ट्रीय समारोह को नहीं भूलोगे। अब तुम अपनी सीट पर जाओ।

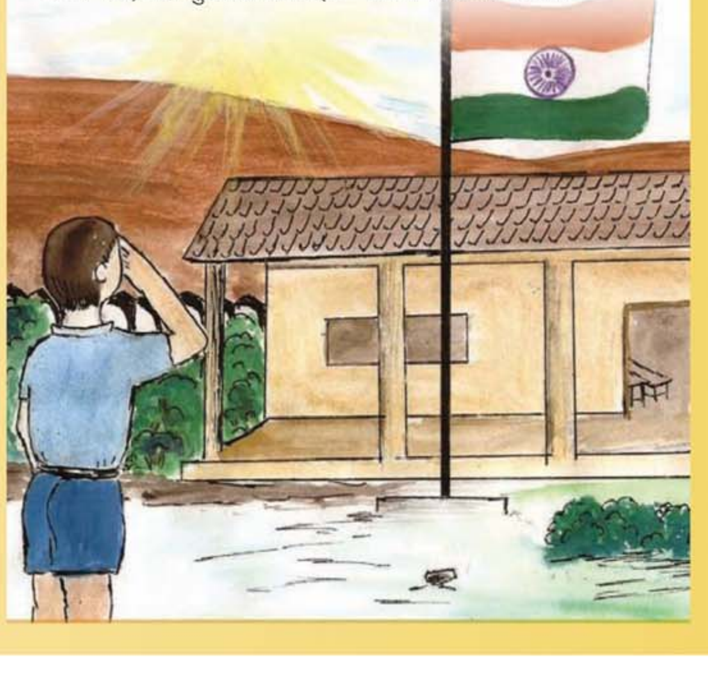

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः **जितेन्द्र चौधरी**, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in